दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 106 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, सोमवार, 7 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

भोपाल |राष्ट्रीय स्तर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 7 से 9 अप्रैल को भोपाल में होगा।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है| इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडलों जैसे (SVM, Random Forest, Neural Network, CNN, XGB) तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य फसल बीमा दावा निपटान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना है, जिससे प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकि का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। मध्यप्रदेश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का क्रियान्वयन वर्ष 2022 से किया जा रहा है। इस कार्य मे मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद साथ राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं एमपीएसईडीसी भी सहयोग कर रहे है।

हिन्दू हो या मुसलमान, सभी धर्मों के लिए है एक संविधान, वक्फ पर नए कानून से मिलेगी मजबूतीः बाबा रामदेव

नई दिल्ली, एजेंसी | बाबा रामदेव ने वक्फ (संशोधन) बिल को लेकर कहा है कि देश में हिन्दू हो या मुसलमान, सभी धर्मों के लिए एक संविधान है, इसलिए वक्फ पर नए कानून से इस व्यवस्था को मजबूती मिलेगी.

योग गुरु बाबा रामदेव ने आज उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित एक कार्यक्रम में वक्फ (संशोधन) बिल को लेकर बड़ा बयान दिया. बाबा रामदेव ने कहा कि भारत में हिन्दु, मुसलमान, सिख, ईसाइ, जैन और बौद्ध सबके लिए समान रूप से एक संविधान है यानी सभी के लिए एक कानून की व्यवस्था है. वक्फ पर नए कानून बनने से इस व्यवस्था को मजबूती मिलेगी. आज रामनवमी के मौके पर दिव्य योग मंदिर (ट्रस्ट), कृपालु बाग आश्रम और दिव्य योग मंदिर राममुलख दरबार एकाकार हो गए. दिव्य योग मंदिर राम मुलख दरबार ने पतंजलि योगपीठ में अपना विलय कर दिया है. बाबा रामदेव ने इसी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवाल पर यह बात कही.

सरयू का किनारा, जय श्री राम का नारा, रामनवमी पर 2 लाख दीयों से जगमगा उठी अयोध्या

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और श्रद्धा की रोशनी में नहाई हुई है। रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में 2 लाख दीये जलाए गए हैं। अयोध्या का चप्पा-चप्पा दिव्य और भव्य नजर आ रहा है।

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | रामनवमी के मौके पर अयोध्या में भव्य तस्वीरें दिख रही हैं। लाखों की संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। ठीक 12 बजे रामलला के जन्मोत्सव के बाद उन्हें भगवान भास्कर ने सूर्य तिलक लगाया। प्रभुराम की नगरी अयोध्या में भक्त जय श्री राम के नारों के साथ राम लला के दर्शन के लिए कतार में लगे नजर आए। सुबह से श्रद्धालु पवित्र यमुना में डुबकी लगाने के बाद मंदिर की ओर बढ़े। सभी के मन में एक ही इच्छा कि बस एक बार रामलला के दर्शन हो जाएं। आपको बता दें कि अयोध्या को फूलों से सजाया गया और सुरक्षा के भी फूल प्रूफ इंतजाम किए गए।

आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे।

संभल के 58 देव तीर्थों पर हुआ रामायण पाठ का आयोजन

संभल में 87 देव तीर्थ हैं, जिनमें से 58 मिल चुके हैं। हर देव तीर्थ पर अष्टमी और नवमी को 'रामचरितमानस और रामायण पाठ' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम लोग और सभी अन्य समितियां और गैर सरकारी संगठन भाग लेंगे। संभल के डीएम राजिंदर पेंसिया ने एएनआई को बताया कि माहौल शांतिपूर्ण है और अशांति फैलाने वाली कोई गतिविधि नहीं हुई है... शांति समिति की बैठकों और आमने-सामने की बातचीत और वार्तालापों के माध्यम से, हमें सभी का सहयोग मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी यह शांति बनी रहेगी।

इकबाल अंसारी ने रामनवमी पर श्रद्धालुओं पर की पुष्पवर्षा

बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करके रामनवमी की। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या धर्म की नगरी है। अयोध्या पूज्य है, अयोध्या में सरयू नदी है, अयोध्या में हनुमानगढ़ी है और अयोध्या में भगवान राम का मंदिर है। अयोध्या में देश-दुनिया की आस्था है। अयोध्या में जितने भी श्रद्धालु आयेंगे उनका हम स्वागत करेंगे।

अयोध्या में 2 लाख दीये जलाए गए

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और श्रद्धा की रोशनी में नहाई हुई है। रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में 2 लाख दीये जलाए गए हैं। अयोध्या का चप्पा-चप्पा दिव्य और भव्य नजर आ रहा है। चैत्र (वासंतिक) नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। यहां प्रतिष्ठित विग्रहों का पूजन किया और आरती उतारी। इसके बाद वह मंदिर परिसर के ओपन एयर थिएटर के मंच पहुंचे।

चित्रकूट धार्मिक स्थल ही नहीं, सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का है जीवंत केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» मुख्यमंत्री श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट के भरत घाट में किया दीपदान

• नई दिल्ली, एजेंसी

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है। यह परमधाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली है, जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और भैया लखन के साथ सदा सर्वदा निवास करते हैं। रामनवमीं के दिन मैं तपोभूमि चित्रकूट में आकर धन्य हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में दीपदान किया। उन्होंने मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदाकिनी के तट पर भरत घाट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। आज पवित्र नौवीं तिथि है और कामतानाथ जी की नगरी चित्रकूट अपना गौरव दिवस मना रही है। चित्रकूट के घाटों पर असंख्य दीपदान की अलौकिक छटा दिख रही है। भरत घाट, कामदगिरि पर्वत, कामतानाथ स्वामी मंदिर के साथ चित्रकूट के सभी मंदिरों और घर-घर एवं गली, मोहल्लों, रास्तों में दीपमालाओं की अनुपम छटा देखते ही बन रही है। उन्होंने नगर वासियों को रामनवमीं एवं चित्रकूट गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में सद्गुरु सेवा ट्रस्ट, दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए नाना जी के संकल्पों को पूरा किए जाने का कार्य किया जा रहा है।

मैहर में होगा माँ शारदा लोक का निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• नई दिल्ली, एजेंसी

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मैहर में माँ शारदा देवी का भव्य शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह चित्रकूट में वनवासी भगवान श्रीराम लोक का भी निर्माण होगा। आज रावनवमीं पर पूरी अयोध्या जगमग है तो भगवान श्रीराम की कर्मभूमि चित्रकूट भी आज लाखों दीपों से जगमग होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बहनों की माँग पर मैहर सहित प्रदेश के 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराबबंदी कर दी है। मैहर में शीघ्र ही कलेक्ट्रेट भवन का निमार्ण कार्य शुरू किया जायेगा। इसी साल बरगी बांध से माँ नर्मदा का जल मैहर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पहुंचाया जायेगा। प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। वर्ष 2003 में केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा थी, जिसे 55 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया गया है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अगले 5 साल में प्रदेश में 1 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। मैहर में 250 एकड़ क्षेत्र में विशाल गौशाला का निर्माण भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मैहर में रामनवमीं के दिन माँ शारदा मंदिर में दर्शन कर आमसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ शारदा की कृपा से मैहर जिले को मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा। रामनवमीं पर माँ शारदा से मुझे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। आज हम रामनवमीं के साथ माँ शारदा के परम भक्त और परमवीर आल्हा का 1300वां जन्म वर्ष भी मना रहे हैं। आल्हा ने अपनी वीरता से बुंदेलखण्ड की धरती को वीरों की धरती बनाया। प्रदेश में आल्हा के जीवन से जुडे कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये जायेंगे, जिसका पूरा खर्च सरकार उठायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक कलाकारों ने भी वीर रस से भरे हुए मोहक आल्हा गायन से युद्धों का सजीव वर्णन किया।

अब ईसाई और बौद्ध समाज की जमीन पर नजर... बीजेपी पर उद्धव ठाकरे का जोरदार हमला, बोले- प्रभू राम का नाम लेने के लायक नहीं

• नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई | ठाकरे ने अपने पूर्व सहयोगी भाजपा को सलाह दी कि वह भगवान राम की तरह 'व्यवहार' करे। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून के बाद अगला कदम ईसाइयों, जैनियों, बौद्धों और यहां तक कि हिंदू मंदिरों की जमीन पर नजर गड़ाए हुए होगा। वे अपने दोस्तों को प्रमुख जमीन देंगे। उन्हें किसी भी समुदाय से कोई प्यार नहीं है।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि वक्फ कानून लागू करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब अपने 'दोस्तों' के लिए ईसाइयों, जैनियों, बौद्धों और यहां तक कि हिंदू मंदिरों की जमीन पर नजर गड़ाए हुए है। एनसीपी (सपा) नेता जितेंद्र आव्हाड ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में छपे एक लेख का हवाला देते हुए इसी तरह का आरोप लगाया। ठाकरे ने अपने पूर्व सहयोगी भाजपा को सलाह दी कि वह भगवान राम की तरह 'व्यवहार' करे। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून के बाद अगला कदम ईसाइयों, जैनियों, बौद्धों और यहां तक कि हिंदू मंदिरों की जमीन पर नजर गड़ाए हुए होगा। वे अपने दोस्तों को प्रमुख जमीन देंगे। उन्हें किसी भी समुदाय से कोई प्यार नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे इस सप्ताह की शुरुआत में संसद ने पारित किया था। सरकार का कहना है कि यह कानून देश में मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त से संबंधित सुधारों की शुरुआत करेगा। ठाकरे ने ऑर्गनाइजर के लेख का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने इसे सार्वजनिक कर दिया है और सभी को अपनी आँखें खोल लेनी चाहिए।

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

• नई दिल्ली, एजेंसी

भोपाल | स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह नरसिंहपुर जिले के विकासखण्ड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुंगरिया में 65 लाख रुपये लागत से नव-निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र और सीएचओ आवासीय भवन के लोकार्पण के बाद जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की बीपी, शुगर की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा सकेगा। मरीजों को यहाँ निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में बताया।

131 दिन बाद डल्लेवाल ने अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त कर दी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने की थी अपील

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | डल्लेवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप (किसानों) ने मुझसे आमरण अनशन खत्म करने को कहा है। आंदोलन की देखभाल के लिए मैं आपका ऋणी हूं।

पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने रविवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त कर दी, जो उन्होंने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी सहित प्रमुख किसान मांगों को लेकर पिछले साल नवंबर में शुरू की थी। उन्होंने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में स्थित सरहिंद में आयोजित 'किसान महापंचायत' में यह घोषणा की। डल्लेवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप (किसानों) ने मुझसे आमरण अनशन खत्म करने को कहा है। आंदोलन की देखभाल के लिए मैं आपका ऋणी हूं। मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। मैं आपका आदेश स्वीकार करता हूं। उनका यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा उनसे आमरण अनशन खत्म करने का आग्रह करने के एक दिन बाद आया है।

जगजीत डल्लेवाल कौन हैं?

डल्लेवाल संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयुक्त मंच के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने पिछले साल 26 नवंबर को किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। जनवरी में केंद्र द्वारा किसान नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद दल्लेवाल ने खनौरी विरोध स्थल पर चिकित्सा सहायता लेना शुरू कर दिया, लेकिन अपना अनशन समाप्त नहीं किया।

शिवराज चौहान ने 'भूख हड़ताल' समाप्त करने का किया अनुरोध

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डल्लेवाल से भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की थी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भारत सरकार के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच उनकी मांगों को लेकर चल रही बातचीत जारी है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ गए हैं और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम उनसे यह भी अनुरोध करते हैं कि वे अपनी भूख हड़ताल समाप्त करें और हम पहले से तय तिथि के अनुसार 4 मई को सुबह 11 बजे किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। इसी तरह की अपील केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने भी की। बिट्टू ने कहा कि आपका स्वास्थ्य ज़्यादा महत्वपूर्ण है और पंजाब के लोगों के लिए आपकी ज़िंदगी अनमोल है, क्योंकि किसानों और खेत मज़दूरों के संघर्ष के लिए आपके नेतृत्व की हमेशा ज़रूरत रहेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा सत्र के दौरान सभी भाजपा मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने डल्लेवाल के बारे में जानकारी ली और उनकी सलामती की कामना की। मंत्री ने दल्लेवाल से अपील की कि वे अपनी भूख हड़ताल खत्म करें और केंद्र सरकार से बातचीत के लिए आगे आएं।

अंग्रेजी में साइन करते हैं, तब कहां चला जाता है तमिल पर गर्व, भाषा विवाद के बीच पीएम मोदी ने सीएम स्टालिन पर कसा तंज

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार और केंद्र के बीच तीखी नोकझोंक चल रही है, क्योंकि राज्य ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हिंदी थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाया है, जिसमें सबसे ताजा मुद्दा नई शिक्षा नीति (एनईपी) का त्रि-भाषा फॉर्मूला है। राज्य ने तर्क दिया कि ये उपाय तमिल भाषा और संस्कृति के लिए खतरा हैं। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु सरकार से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चों को लाभ पहुंचाने के लिए तमिल भाषा में चिकित्सा पाठ्यक्रम शुरू करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर भाषा विवाद के बीच कटाक्ष करते हुए कहा कि हालांकि उन्हें तमिलनाडु के नेताओं से कई पत्र मिलते हैं, लेकिन उनमें से किसी पर भी तमिल में उनके हस्ताक्षर नहीं होते। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें अपनी भाषा पर वाकई गर्व है, तो उन्हें कम से कम अपने नाम पर तमिल में हस्ताक्षर तो करने चाहिए। सरकार लगातार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि तमिल भाषा और तमिल विरासत दुनिया के हर कोने तक पहुंचे। कभी-कभी, मुझे आश्चर्य होता है जब मुझे तमिलनाडु के कुछ नेताओं से पत्र मिलते हैं। पीएम मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनमें से किसी पर भी तमिल में हस्ताक्षर नहीं होते हैं। अगर हमें तमिल पर गर्व है, तो मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि वे कम से कम अपने नाम पर तमिल में हस्ताक्षर करें।

एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार और केंद्र के बीच तीखी नोकझोंक चल रही है, क्योंकि राज्य ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हिंदी थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाया है, जिसमें सबसे ताजा मुद्दा नई शिक्षा नीति (एनईपी) का त्रि-भाषा फॉर्मूला है। राज्य ने तर्क दिया कि ये उपाय तमिल भाषा और संस्कृति के लिए खतरा हैं।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन में मिश्र तालाब में चलाया गया सफाई अभियान

रायसेन (निप्र)। जल के संरक्षण और संवर्धन हेतु चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाओं की साफ-सफाई, गहरीकरण और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को रायसेन में वार्ड क्रमांक-9 स्थित मिश्र तालाब की सफाई हेतु जनप्रतिनिधियों, पार्षदगणों तथा नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा सामूहिक श्रमदान कर जलकुंभी हटाने का कार्य किया गया। साथ ही नागरिकों से भी जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता कर जल के अपव्यय को रोकने और जल संरचनाओं की साफ-सफाई हेतु प्रेरित किया गया।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

विदिशा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विधिक जागरूकता शिविरो का आयोजन विभिन्न स्थलो पर किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि गुरूवार को शिशु गृह यशोदा एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में विधिक जागरूकता शिविर सह निरीक्षण के कार्यो को संपादन हुआ है। जिला न्यायाधीश श्रीमती सुरेखा मिश्रा ने यशोदा एडाप्शन सेन्टर के कर्मचारीगणो को जेजे एक्ट के नियमो से अवगत कराया है वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री तोमर ने संस्था में बच्चो को उम्र के हिसाब से उनको खानपान देने एवं सही ढंग से देखभाल करने के संबंध में मार्गदर्शी निर्देश दिए है। इस दौरान शिशु गृह एडाप्शन सेन्टर एवं बालिका सम्प्रेक्षण गृह में संधारित विभिन्न पंजियों का भी न्यायाधीशगणो द्वारा अवलोकन किया गया और संधारण के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए है। इस अवसर पर शिशु गृह के प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि अभी दो बच्चे है जबकि अतिरिक्त बालिका सम्प्रेक्षण गृह में तीन बालिकाएं संरक्षण में पाई गई वहीं छह महीने से रह रही बालिका को उच्च न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकार किए जाने पर उसे उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया है।

आरसीएच पोर्टल के नये संस्करण के संबंध प्रशिक्षण दिया

हरदा (निप्र)। आरसीएच पोर्टल के नये संस्करण 2.0 के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय हरदा में किया गया। प्रशिक्षण में यूनीसेफ भोपाल से सुश्री निशि मैथ्य, डॉ. सुनील द्विवेदी, श्री मनीष शकरगाय एवं श्री दिनेश चौहान के द्वारा नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पोर्टल का नवीन संस्करण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित किया गया है। इस नये पोर्टल से जिले और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

निर्माणाधीन विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण रूप से समय पर पूर्ण हो : प्रभारी मंत्री श्री पटेल

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने की विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी सौभाग्यशाली है कि उन्हें जनसेवा का पुनीत कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जनसामान्य को सुविधाओं का ध्यान रखने, उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए पूरी तत्परता और मनोयोग से काम करें। यह बात लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में समस्त विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक श्री महेंद्र सिंह चौहान, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, श्री सुधाकर पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया, सीईओ जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, डीएफओ श्री नवनीत गर्ग सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कृषि और खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम अंतर्गत रबी उपार्जन की समीक्षा कर उपार्जन सम्बन्धी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए छांव , पेयजल आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं रहें। निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी की जाएं। उन्होंने खाद वितरण की समीक्षा कर कहा कि किसानों को संतुलित उर्वरक एनपीके के गुणों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएं। नरवाई को जलाने के बजाए उसके उचित प्रबंधन के लिए भी किसानों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि राशन का सुव्यवस्थित ढंग से वितरण कराएं। कोई भी पात्र राशन वितरण के लाभ से वंचित न रहें।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही हितलाभ वितरण किया जाएं : शिक्षा विभाग अंतर्गत साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण, सांदीपनि स्कूलों के निर्माण कार्य आदि कार्यों की समीक्षा कर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही छात्रों को हितलाभ

वितरित कराएं। सभी जिला अधिकारी भी इन निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई पात्र छात्र छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहें।

शासकीय स्कूल सर्वश्रेष्ठ हैं: प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि समस्त स्वास्थ , स्कूल सहित हमारी समस्त शासकीय संस्थाएं सर्वश्रेष्ठ हैं। हमारे शासकीय स्कूल कमजोर विद्यार्थी को भी विशेष ध्यान देकर उनका उज्जवल भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने जिले में पांचवीं और आठवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम में अच्छा प्रदर्शन करने पर जिला शिक्षा केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत छात्रावासों के संचालन की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी जनजातीय छात्रावासों में व्यवस्थाएं अच्छी रहे। रोस्टर बनाकर स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों से कन्या छात्रावासों का निरीक्षण भी कराएं।

धरती आबा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं: प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि धरती आबा योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का महत्वाकांक्षी अभियान हैं। इसके लिए जिले में 400 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव बनाएं गए हैं। सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने क्षेत्र में धरती आबा योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करें। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना में आधार अपडेशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधि आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण करें: महिला एवं बाल विकास की समीक्षा कर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कोई भी आंगनवाड़ी भवन जर्जर भवन में संचालित न हो। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी अपने क्षेत्र की आंगनवाड़ियों का सतत औचक निरीक्षण करते रहे। आगनवाड़ी केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

पेयजल संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाएं: प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम की समीक्षा कर नल योजना के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने शेष नल जल योजनाओं का कार्य भी गुणवत्तापूर्ण रूप से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नल योजना और पेयजल संबंधी शिकायतों पर संबंधित ठेकेदारों पर भी त्वरित कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएं।

सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन किया जाएं

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आगामी सामूहिक विवाह योजना के कार्यक्रम का भव्य और प्रभावी ढंग से आयोजन किया जाएं। सभी जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर उन्हें सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित पीएम आवास योजना, कौशल उन्नयन एवं रोजगार, मनरेगा इत्यादि योजनाओं की समीक्षा की और पीएम आवास सर्वे का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश। उन्होंने एमपीईबी को चिल्लूर ग्रिड से बिजली आपूर्ति समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खराब ट्रांसफार्मर शीघ्र बदले जाएं। उन्होंने आमला के सलाईढाना में भी अनियमितता संबंधी शिकायत कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने निर्देशित किया जिले अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत सख्त कार्रवाई की जाएं। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए गहरीकरण, जल संरचनाओं के मरम्मत और स्वच्छता की गतिविधियां प्रभावी ढंग से की जाएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान, विभागीय कार्ययोजना की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन लाइन डिपार्टमेंटों के द्वारा विभागीय कार्ययोजना तय की जा रही है। जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन ने गुरूवार को प्रमुख आठ विभागो के द्वारा तय की गई कार्ययोजना की पृथक-पृथक समीक्षा कर अभियान के तहत क्रियान्वित कार्यो व उद्धेश्यों की प्राप्ति के लिए निहित बिन्दुओं, लक्ष्यों सहित जानकारियां सांझा कर उनके अनुसार कार्ययोजना को मूर्तरूप देने के निर्देश दिए गए है। जिला पंचायत में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 की विभागीय कार्ययोजना बैठक में जल संसाधन विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला शिक्षा, जनसम्पर्क, जन अभियान परिषद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शहरी विकास अभिकरण, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब हो कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से शुरू होकर तीस जून तक क्रियान्वित किया जाएगा। अभियान के दौरान संपादित किए जाने वाले कार्यो तथा पूर्व में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निर्धारित रणनीति तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा पूर्व में ली गई बैठको में दिए गए निर्देशो के अनुपालन में की गई कार्यवाहियों से अवगत कराया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संपादित किए जाने वाले कार्य जिले में नवाचारो के रूप में जाने जाएं। इसके लिए विभागवार नवाचारो के तहत संपादित किए जाने वाले कार्यो की भी पृथक-पृथक चर्चा की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा बताया गया कि जिले के सभी स्कूलो की पेयजल टंकियों को एक ही दिन में साफ सफाई कर पुताई उपरांत हरेक टंकी पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंकित किया जाएगा। इसी प्रकार उद्यानिकी विभाग के द्वारा क्लस्टर के रूप में चिन्हित ग्राम पंचायतो में एक ही प्रजाति के पौधे रोपित किए जाएंगे जिसमें मुख्य रूप से फलदायी पौधो में नीबूं, अमरूद व आम का चिन्हांकन किया गया है। जिले में अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए क्लस्टरवार रूपरेखा तय कर जल संरचनाओं की वाल पर इसी प्रकार जल संसाधन विभाग के द्वारा नहरो के जीर्णोद्धार कार्य करने, नहरो को राजस्व विभाग की मेपिंग सूची में दर्ज कराने, गांव को यूनिट बनाने, तहसीलवार तालाबो की संख्या, बांध, नहरो, इन पर हुए अतिक्रमण हो राजस्व विभाग की मदद से हटाने के कार्य संपादित किए जाएंगे। जन अभियान परिषद के द्वारा ग्रामो की प्रस्फुटन समितियों के सहयोग से संपादित किए जाने वाले कार्यो के लिए ग्रामवार लक्ष्य तय करना, जल सम्मेलनो का आयोजन करना, नवाचारो के तहत वैज्ञानिक परीक्षण कराना, इसी प्रकार वन विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागो के द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यो से अवगत कराया गया है। बैठक में बताया गया कि विदिशा जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में पांच हजार जलदूतों का तथा निकाय क्षेत्रो में दो हजार अमृत मित्र बनाए जाएंगे ताकि अभियान के निहित बिन्दुओं की प्राप्ति में सहयोगी बनें। जल गंगा संवर्धन अभियान के व्यापक प्रचार हेतु जिला स्तरीय जनपद व ग्राम स्तरीय कार्ययोजना की जानकारियां सांझा की गई। जनसम्पर्क विभाग के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार विभिन्न संसाधनो के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें दीवार लेखन, आयरन फ्रेम फ्लेक्स, डायक्यूमेट्री, कार्यो को संपादित करने वालो की जानकारियां, प्राचीन जल स्त्रोतो के जीर्णोद्वार कार्यो सहित नवाचारो का प्रचार प्रसार प्रिन्ट, सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर किया गया है।

विधायक ने फीता काटकर पुस्तक मेला का शुभारंभ किया

किताबों एवं अन्य सामग्री पर न्यूनतम दस प्रतिशत की छूट

विदिशा (निप्र)। अशासकीय विद्यालयों में संचालित किताबे व अन्य सामग्री अभिभावको व बच्चों को सुगमता से एक ही छत के नीचे प्राप्त हो इसके लिए जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने फीता काटकर व सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर पुस्तक मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि साथ मौजूद रहें।

स्टॉलो का भ्रमण: रविन्द्रनाथ टेगौर सांस्कृतिक भवन (आडिटोरियम) में आयोजित पुस्तक मेला में बुक सेलर स्टॉलो में संचालको द्वारा जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का संयुक्त रूप से बुके भेंटकर स्वागत किया गया। अतिथियों के द्वारा भ्रमण कर स्टॉलो का जायजा लिया और जिला प्रशासन के द्वारा किए गए नवाचारो की प्रशंसा की है। गौरतलब हो कि पुस्तक मेला में दस विभिन्न बुक सेलरो के स्टॉल लगाए गए है जिन पर अशासकीय विद्यालयो की निर्धारित एनसीईआरटी पुस्तको के अलावा कॉपियां सहित शैक्षणिक सामग्री पर न्यूनतम दस प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

भूरि-भूरि प्रशंसा: विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने मीडिया से चर्चा करते हुए प्रशासन के द्वारा एक ही छत के नीचे इस प्रकार की कि गई व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सुझाव दिया कि बच्चों की ड्रेस, टाई, बेल्ट भी उपलब्ध कराने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने प्रशासन के इस प्रकार के नवाचारो का बच्चों के अभिभावकगण अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने लगातार तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन की प्रशंसा अभिव्यक्त की है।

जानकारियां सांझा: कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मीडियाबंधुओं से संवाद करते हुए पुस्तक मेला आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित करते हुए जानकारियां सांझा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में की जा रही पहल का सभी शैक्षणिक संस्थानो के साथ-साथ बुक सेलरो के द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है। अब विदिशा जिले में यह शिकायत प्राप्त नहीं होगी कि अमूक स्कूल की किताबे एक ही किताब दुकान पर मिल रही है। पुस्तको के साथ-साथ अन्य सामग्री के विक्रय का विक्रेन्द्रीकरण किया गया है। पुस्तक मेला उक्त व्यवस्था का बेहतर प्रतीक साबित होगा। पुस्तक मेला के आयोजन संबंध में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको के द्वारा जो भी विद्यार्थियों के हितेष में सुझाव दिए जाएंगे उन पर अमल किया जाएगा। प्रयास किया जा रहा है कि मेला में ही आवश्यक ड्रेसो, बेल्ट व टाई का भी स्टॉलो के माध्यम से विक्रय सुनिश्चित किया जा सकें। इस अवसर पर विदिशा कृषि उपज मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष श्री राधेश्याम महेश्वरी, श्री राकेश शर्मा, श्री राजेश जैन, जिला पंचायत सीईओ, डीपीसी के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी, कर्मचारी व बुक सेलर और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने आमखेड़ा में गेहूँ उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गुरूवार को आमखेड़ा स्थित वेयरहाउस में बनाए गए गेहूँ उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने मॉइश्चर मशीन पर गेहूँ में नमी का स्तर देखा तथा इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे में गेंहूं के वजन का भी परीक्षण किया। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को केन्द्र पर किसानों के लिए बैठने के उपयुक्त स्थल, पेयजल, छाया, आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विक्रय के लिए उपज लेकर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए।

यदि कोई कठिनाई या समस्या आए तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उपार्जन केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप एफएक्यू गेहूँ का उपार्जन किया जाए। किसानों से

बुक किए गए स्लॉट की तिथि पर ही उपज की खरीदी की जाए, आगामी तिथि के बुक स्लॉट पर पहले ही खरीदी ना की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन के बाद गेहूँ को शीघ्र सुरक्षित भण्डारित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य अधिकारी, उपायुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने पार्वती परियोजना के बांध का किया निरीक्षण

इस साल आंशिक रूप से भरा जाएगा पार्वती बांध

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने पार्वती परियोजना के बनाए गए बांध एवं बांध स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने परियोजना के बारे में संबंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन लोगों को परियोजना के तहत अन्य स्थानों पर विस्थापित किया गया, उन्हें उस भूमि का प्रमाण पत्र प्रदान करें, ताकि वह उस स्थान पर विद्युत कनेक्शन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ ले सकें। पार्वती परियोजना के अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष बांध को आंशिक रूप से भरा जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना 1815.54 करोड़ रूपये लागत की है तथा इसका जल ग्रहण क्षेत्र 3150 वर्ग किलोमीटर है। इसका सिंचाई क्षेत्र 48000 हैक्टेयर है। पार्वती परियोजना के अंतर्गत डूब क्षेत्र 3041.36 हेक्टेयर है, जिसमे कुल निजी भूमी 2012.41 हेक्टेयर तथा सीहोर जिले की निजी भूमी 901.53 हेक्टेयर, शासकीय भूमी कुल 925.48 हेक्टेयर, वन भूमी शून्य हेक्टेयर है। इसके साथ ही कुल 41 ग्राम डूब से प्रभावित हैं, जिसमें राजगढ़ के 02 एवं सीहोर के 02 ग्राम पूर्ण डूब प्रभावित हैं तथा राजगढ़ के 19 एवं सीहोर के 18 ग्राम आंशिक रूप से डूब प्रभावित हैं। परियोजना के तहत डूब क्षेत्र में आने वाली भूमि का सभी प्रभावितों को मुआवजे वितरित किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, तहसीलदार श्री श्यामनंदन चंदेले सहित पार्वती परियोजना के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने किया किसान सुविधा केंद्र का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 वाटरशेड विकास अन्तर्गत ग्राम पंचायत इमलीखेड़ा स्थित किसान सुविधा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने किसान सुविधा केन्द्र अंतर्गत संचालित गतिविधियों जैसे घी यूनिट, मावा यूनिट एवं दाल यूनिट का निरीक्षण कर विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन को जानकारी दी गई कि इस किसान सुविधा केंद्र में घी एवं मावा यूनिट का संचालन राधिका स्व सहायता समूह द्वारा तथा दाल मिल का संचालन कृष्णा स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है, जो कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना द्वारा वृहद गतिविधि अंतर्गत वित्त पोषित है। परियोजना द्वारा 12 स्व सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों के अंतर्गत गिर गाय पालन के लिए वित्त पोषित किया गया है, जिनका दूध का संग्रहण कर राधिका स्व सहायता समूह द्वारा घी बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ ने स्व सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की एवं आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि जिले की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सभी जनपदों में अधिक से अधिक आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ की जाएं।

विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने पूरे आत्मविश्वास के साथ करें कर्म: प्रभारी मंत्री

बैतूल (निप्र)। पीएम श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को स्कूल चले हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री, मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, जिला पंचायत सीईओ श्री अक्षत जैन, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह मौजूद रहे। सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने जनजातीय सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उन्हें पाठ्य पुस्तकें भेंट की।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने नीट और जेईई के बच्चों का किया उत्साह वर्धन: कार्यक्रम के पूर्व प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने नीट और जेईई के बच्चों से चर्चा की और उनका उत्साह वर्धन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च अल्पहारी, गृहत्यागी ये आदर्श विद्यार्थी के पांच लक्षण हैं। उन्होंने ये गुण धारण कर अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि हम जिस लक्ष्य को निर्धारित किया है उसे पाने के लिए एकाग्रचित होकर पूरे आत्मविश्वास के साथ कर्म करें। आप निश्चित ही सफल होंगें।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने की छात्राओं को नगद राशि देने की घोषणा: कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाषण और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को 500-500 रुपए की नगद राशि दिए जाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कक्षा दसवीं में 85 प्रतिशत लाकर लैपटॉप और स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्रा सृष्टि साहू को भी सम्मानित किया।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विश्व कल्याण के लिए विद्यार्थियों को दिया मार्गदर्शन: प्रभारी मंत्री श्री पटेल से विद्यार्थियों ने हंसी-ठहाकों के बीच कैरियर निर्माण के गुण सीखे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए समाज की सेवा, राष्ट्र को सशक्त बनाने और विश्व के कल्याण के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जिन विद्यार्थियों में अपने शिक्षक, आचार्य को ध्यानपूर्वक सुनने की प्रवृत्ति रहती है, वे विद्यार्थी अपने माता-पिता की बातों का पालन करते हैं। ऐसे विद्यार्थी ही जीवन में सफल होते हैं। क्योंकि हमारे जीवन में सबसे बड़े शुभ चिंतक माता-पिता होते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने-अपने माता-पिता की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने और उनकी आज्ञा का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

जल संरक्षण के लिए जल गंगा अभियान अंतर्गत कई गतिविधियां आयोजित

भोपाल। जल संरक्षण को लेकर भोपाल जिले में चल रहा जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 लगातार जनसहयोग से मजबूत होता जा रहा है। नगर निगम भोपाल द्वारा कलिया सोत नदी की सफाई का कार्य जारी है, जिसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन संस्थाओं द्वारा नदी को प्लास्टिक मुक्त

बनाए रखने के लिए लगातार श्रमदान किया जा रहा है। इसी क्रम में जन अभियान परिषद भोपाल के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम से जुड़े छात्रों ने भी अभियान में सहभागिता दिखाई। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नरेला शंकरी वार्ड क्रमांक-66 में श्री सुजीत धौलपुरिया, श्री संजय धौलपुरिया, श्री गौरव धौलपुरिया, श्री रोहित धौलपुरिया, श्री अमित धौलपुरिया, श्री अंश खरे एवं श्री संदीप भारती द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

वहीं, श्याम नगर वार्ड क्रमांक - 47 में स्थानीय बच्चों, स्कूल शिक्षकों, किशोर-किशोरी समूहों और नागरिकों के साथ मिलकर पोस्टर, स्लोगन और ड्राइंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण पर जनजागरूकता फैलाई गई। यह पहल न केवल बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बना रही है, बल्कि समाज में जल संसाधनों के संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित कर रहें है।

रेल यात्रियों का खोया मोबाइल अब जल्द मिलेगा वापस

भोपाल। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग के साथ मिलकर एक बड़ी पहल की है, जिसके तहत अब गुम हुए मोबाइल फोन की खोज और बरामदगी के लिए सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। इस कदम से लाखों यात्रियों को फायदा मिलने की उम्मीद

है। इस योजना की शुरुआत नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी, जिसमें कई खोए हुए मोबाइल सफलतापूर्वक बरामद किए गए और चोरी में लिप्त आरोपियों को पकड़ा भी गया। अब इस योजना को पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

ऐसे करें शिकायत दर्ज- यदि कोई यात्री ट्रेन यात्रा के दौरान अपना मोबाइल फोन खो देता है, तो वह रेल मदद ऐप या 139 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से इसकी रिपोर्ट कर सकता है। यदि एफआईआर दर्ज नहीं करानी हो, तो यात्री सीईआईआर पोर्टल पर भी सीधे शिकायत दर्ज कर सकता है।

सीईआईआर पर शिकायत दर्ज करने के बाद, आरपीएफ की जोनल साइबर सेल डिवाइस की जानकारी पोर्टल पर अपडेट कर उसे ब्लॉक कर देगी। यदि फोन में नई सिम का उपयोग किया गया हो, तो उसे ट्रैक कर वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रदेश के उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में लू का अलर्ट

भोपाल-इंदौर में भी पड़ेगी तेज गर्मी, नर्मदापुरम, रतलाम में 40 डिग्री पहुंचा तापमान

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश के मौसम में बारिश के बाद बदलाव देखने को मिलने लगा है। नर्मदापुरम, रतलाम में तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तेज गर्मी पड़ने की संभावना जताई है। गर्मी के इस सीजन में पहली बार प्रदेश में हीट वेव यानी, लू का अलर्ट है। मौसम विभाग ने 7 और 8 अप्रैल को उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग के 10 जिलों में लू चलने की संभावना जताई है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर-सागर संभाग में भी तेज गर्मी पड़ने का अनुमान है। यहां तापमान 2 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में एक्टिव रहा। इस वजह से कहीं-कहीं हल्की बारिश और बादल छाए रहे। यह सिस्टम आज शनिवार को कमजोर हो जाएगा। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ेगा। जिससे तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। अगले 3 से 4 दिन तक दिन का तापमान बढ़

सकता है। वहीं, 7-8 अप्रैल को हीट वेव यानी, गर्म हवा चलने का अनुमान है। 7 अप्रैल को नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड और दतिया में लू चल सकती है। 8 अप्रैल को नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में हीट वेव का असर रहेगा। इससे पहले शुक्रवार को ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल और डिंडौरी में बादल, गरज-चमक वाला मौसम रहा।

ऐसा रहेगा तापमान

दूसरा सप्ताहः दूसरे सप्ताह में 2 से 3 दिनों तक लू परेशान कर सकती है। इस समय तापमान 41 डिग्री से 43 डिग्री तक रहने की संभावना है। बारिश के कोई आसार नहीं होने से तापमान वृद्धि हो सकती है।

तीसरा सप्ताहः उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ दिन में अधिकतम तापमान तेजी से बढ़ते हुए समान्य से 2-4 डिग्री अधिक (42-44 डिग्री) रहेंगे। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है। चौथा सप्ताहः उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकडऩे के साथ पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान और अधिक बढऩे की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू जगजीवन राम की जयंती पर किया नमन

भोपाल निप्र। दलित नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम बाबूजी की आज (शनिवार को) जयंती है। उनका जन्म 05 अप्रैल, 1908 को बिहार के शाहाबाद जिले के एक छोटे से गांव चंदवा में हुआ था। बाबू

जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें देश याद कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी उन्हें याद कर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सामाजिक न्याय के पुरोधा, पूर्व उप प्रधानमंत्री श्रद्धेय बाबू जगजीवन राम जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ।शोषितों और वंचितों के उत्थान हेतु आजीवन समर्पित रहकर आपने आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया है, जो हम सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

थाने में जप्त वाहनों की नीलामी से 10 लाख 2500 रु. का राजस्व प्राप्त

भोपाल निप्र। पुलिस उपायुक्त जोन 2 द्वारा गठित कमेटी जिसमें अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2 महावीर मुजाल्दे ,सहायक पुलिस आयुक्त एमपी नगर अक्षय चौधरी, थाना प्रभारी थाना पिपलानी अनुराग लाल व थाना प्रभारी अयोध्या नगर महेश लीलारे, प्रधान आरक्षक 229 आशीष कुमार श्रीवास थाना अयोध्या नगर के द्वारा थाना प्रांगण में खुली बोली में नीलामी की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। जोन 02 संभाग के निर्देशन में थाने में कई वर्षों से रखे 14 नग वाहन की हुई नीलामी। नीलामी के बाद कुल 10.2500.00 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। 25 पुलिस एक्ट के प्रावधानों के तहत दैनिक समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित की गई थी । जप्त शुदा वाहन कुल 14.नग जिनमें से मोटरसाइकिल एवं चार पहिया वाहन रखे हुए थे। तीन पहिया वाहन,पुरानी साइकिल, लोहा का सामान था शामिल। करीब 50 लोगो ने भाग ले बोली लगाई। बोली प्रक्रिया में निर्धारीत तरीके से नियम अनुसार बोली लगाई गई। नीलामी प्रक्रिया का संचालन प्रधान आरक्षक आशीष श्रीवास ने संपूर्ण नीलामी की प्रक्रिया संपन्न कराई।

रेड में पकड़ाने वाली सेक्स वर्कर्स अब नहीं कहलाएंगी आरोपी

पुलिस उन्हें अरेस्ट भी नहीं करेगी, आदेश जारी

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश में सेक्स वर्करों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। यहां पुलिस मुख्यालय की ओर से महिला सेक्स वर्कर्स के लिए ऐसा कदम उठाया है, जिसने उन्हें बड़ी राहत दी है। दरअसल, अब प्रदेश में कहीं भी, ढाबों या होटलों पर संचालित वेश्यालयों से पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर्स को पुलिस द्वारा आरोपी नहीं बनाया जा सकेगा। पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और भोपाल एवं इंदौर के पुलिस आयुक्तों को लिखित निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर को ना तो गिरफ्तार किया जाएगा और ना ही परेशान किया जाएगा।

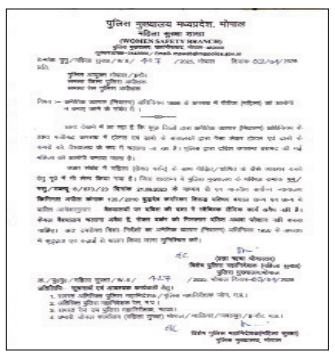

एमपी के बड़े अफसर का निकला वारंट, हाईकोर्ट ने तलब किया: जारी निर्देश के अनुसार, ऐसे मामलों में अकसर देखा जाता है कि पुलिस जब होटल-ढाबों पर दबिश देती है तो कार्रवाई के दौरान पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर्स को भी आरोपी बनाती है। जबकि, ऐसी महिलाएं कई बार पहले से ही शोषित होती हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए स्पेशल डीजी महिला सुरक्षा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि, पुलिस को इन महिलाओं को दोषी ठहराने के बजाए पीड़ित और शोषित व्यक्तियों जैसा व्यवहार करना होगा।

'संवेदनशीलता और सहानुभूति से पेश आना होगा': इस दिशा में पुलिस अधिकारियों को कठोर अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी महिला सेक्स वर्कर के अधिकारों का उल्लंघन न किया जा सके। साथ ही, पुलिस को ये भी ध्यान रखना होगा कि, महिला सेक्स वर्कर के साथ संवेदनशीलता और सहानुभूति से पेश आएं। इस फैसले के साथ राज्य पुलिस अब उन महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सहानुभूतिपूर्ण वातावरण बनाने का काम करेगी, जो अबतक कानून के शिकंजे में फंस जाती थीं।

'विश्वरंग फाउण्डेशन' की पहल पर पोडियम टीम के युवा फिल्मकारों ने संजोयी लोक विरासत

भोपाल। लोक संस्कृति और परंपरा के बहुरंगी पर्व गणगौर पर केन्द्रित लघु फिल्म 'गणगौर गाथा' इन दिनों आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। विश्वरंग फाउण्डेशन के लिए इस अनूठे चलचित्र का निर्माण युवा फिल्मकार आदित्य उपाध्याय के निर्देशन में 'द पोडियम' टीम ने किया है। 'गणगौर गाथा' की विशेष स्क्रिनिंग 13 अप्रैल को शाम 5:30 बजे तुलसी नगर स्थित नर्मदा सभागार में की जाएगी। पोडियम टीम, युवा सिनेकर्मियों तथा कलाकारों का रचनात्मक समूह है जो सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सरोकारों के उद्देश्यपूर्ण फिल्मांकन के लिए सक्रिय है। गत वर्ष इस टीम ने 'गणगौर पर्व' के अवसर पर मध्यप्रदेश के पूर्व और पश्चिम निमाड़ के गाँव-देहातों की सांस्कृतिक यात्रा की। इस दौरान इस पर्व से जुड़े अनुष्ठान, तथा पारंपरिक नृत्य-संगीत और अन्य संलग्न गतिविधियों का वास्तविक फिल्मांकन किया। संस्कृतिकर्मी-साहित्यकार संतोष चौबे के मुख्य मार्गदर्शन में निर्मित इस फिल्म की परिकल्पना और शोध आलेख के साथ ही वाचक स्वर संस्कृतिकर्मी-कला समीक्षक विनय उपाध्याय का है। इस फ़िल्म का वीडियो संपादन निखिल कुमार

अरमान आर्य सिन्हा तथा अभिषेक कनौजिया ने किया है। छायांकन अनिरूद्ध चौथमल, आशीर्वाद मंडल और हेमांग कुरील का है। ध्वन्यांकन तनिष्क भूरिया ने किया है जबकि कोरियोग्राफ़ी लोक नर्तक संजय महाजन की है।

यह फ़िल्म बताती है कि एक सिरे पर आध्यात्म के गहरे रंग, अनुष्ठान की पवित्रता, पूजा-प्रार्थना और निवेदन तो दूसरे सिरे पर लोकरंजन में आकंठ डूबा तन-मन एक आदिम सुख की इच्छा से भरकर गणगौर में थिरकने लगता है। दूसरे सिरे पर रनुबाई यानी निमाड़ की स्त्री को ही अधिष्ठात्री देवी मानकर उसका गुणगान किया जाता है। गीत की कड़ियों और लय की लड़ियों में लहराते संगीत तो यहाँ दूर देश को ब्याही रनुबाई की अपनी सखियों के संग ठिठोली है, तो प्रेम, ममत्व, करूणा, वात्सल्य और वियोग भी है।

यह फ़िल्म लोकपर्व के उन महत्वपूर्ण पक्षों को भी सामने लाती है जहाँ धर्म, संस्कृति, विज्ञान और अध्यात्म मिलकर मनुष्यता का उत्सवी रूपक बन जाते हैं। यह जीवंतता हमें ऐतिहासिक अनुभव की ओर ले जाती है। जीवन, प्रकृति और संस्कृति को हम एक ही डोर में बंधा पाते हैं। गीत, संगीत और नृत्य की रेशमी झालरों से सजा जीवन का रंगमहल यहाँ अलग ही चहक-महक से भरा है।

चैत्र महीने के दसवें दिन से आगामी नौ दिनों तक मध्यप्रदेश के निमाड़ की धरती गणगौर की धन्यता को गाने मचल उठती है। इन गीतों में स्मृतियों की दुनिया खुलती है। स्त्री की सृजन शक्ति, उसकी अभिलाषाएँ, उसके सरोकार, उसकी नियति और दैवीय महिमा के दिव्य स्वरूपों को जीवन्त होता देखा जा सकता है। इन गीतों की गुंजार बिखरती है तो देह अनायास ही थिरक उठती है।

आदित्य उपाध्याय फ़िल्म प्रॉडक्शन में स्नातकोत्तर हैं। उनकी शॉर्ट फ़िल्म 'लेटर बॉक्स' का चयन चित्र भारती अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव के लिए हुआ है। उन्होंने महेश्वर और मांडू के पुरातात्विक वैभव, साहित्य तथा कलाओं के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 'विश्वरंग' और रबीन्द्रनाथ टैगोर के कृती-व्यक्तित्व पर एकाग्र लघु फ़िल्मों का निर्माण स्वयं के निर्देशन में किया है।

आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 – भोपाल के अधिकारी एवं कर्मचारियों का हुआ प्रशिक्षण

भोपाल निप्र। आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 552 अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। विभिन्न बैचेस में यह प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत और पीपल्स मेडिकल कॉलेज में दिया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की संस्थाओं के साथ ही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, हमीदिया हॉस्पिटल, सुल्तानिया हॉस्पिटल, गैस राहत चिकित्सालय के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुए। इस दौरान 85 चिकित्सक, 217 ए एन एम, 64 कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, 72 नर्सिंग ऑफिसर, 24 सुपरवाइजर, 90 मल्टी टास्क वर्कर को नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पोर्टल का नवीन संस्करण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

श्री राम सेवा समिति मुखर्जी नगर कोलार अध्यक्ष संदीप सिंह के द्वारा

अयोध्या के राजा श्रीराम की भव्य रथ यात्राः भोपाल को मिलेगा आध्यात्मिक आनंद

भोपाल निप्र। अयोध्या के राजा, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करने के लिए भोपाल नगर में 6 अप्रैल 2025 को एक भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होगी, जिसमें भक्तों के लिए प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की अलौकिक झांकियां देखने का अवसर मिलेगा। यात्रा का आयोजन सिगनेचर रेजिडेंसी, नजदीक छुय अस्पताल, कोलार में शाम 5:30 बजे से शुरू होगा।

इस बार की रथ यात्रा में भव्य झांकियां और अद्वितीय कार्यक्रम शामिल हैं। रामलला जी का रथ, गगनभेदी नगाड़े और ढोल-ताशे की धुन, बाबा बटेश्वर भक्त मंडल भोपाल द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से सीता स्वयंवर, भारत मिलाप, और लंका दहन जैसे ऐतिहासिक दृश्यों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मंदाकिनी चौराहे पर 15 फीट के रावण का दहन, तथा

महाकाल जी की झांकी भक्तों को मंत्रमुग्ध करेगी।

इस यात्रा के आयोजक, राम सेवा समिति के अध्यक्ष श्री संदीप सिंह ने कहा, ÷यह रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हम सबके लिए एक संदेश है। जब-जब धर्म पर संकट आया, प्रभु श्रीराम ने यह सिखाया कि सत्य और धर्म की राह कभी नहीं छोड़नी चाहिए। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस यात्रा का हिस्सा बनें और प्रभु श्रीराम के रंग में रंग जाएं। यात्रा की भव्यता को देखते हुए, आयोजकों ने प्रसिद्ध पुष्पा 2 इंदौर और नटराज डीजे (भोपाल) के साथ मिलकर एक शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति का भी आयोजन किया है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध आतिशबाजी और राजस्थान की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस यात्रा को और भी आकर्षक बनाएंगी। इस भव्य रथ यात्रा के माध्यम से, आयोजकों का उद्देश्य न केवल आध्यात्मिक जागरूकता फैलाना है, बल्कि समाज में एकता और समर्पण को भी बढ़ावा देना है। और हम सभी को इस यात्रा में भाग लेने की प्रेरणा लेनी चाहिए। यह समय है एकजुट होकर अपने विश्वास और परंपराओं का पालन करने का।

आयोजन समिति सदस्य

हनी विश्कर्मा, अक्षय अग्रवाल ,मनीष भदौरिया ,अवनीश शुक्ला ,करन मुद्रा ,रवि शुक्ला ,राज विश्कर्मा,आयुष कुशवाहा , पार्थ रावत ..कार्यक्रम मे संजय मिश्रा (वनवाशी राम की भूमिका मे रहेंगे) अंकित मिश्रा (राजा स्वरुप राम की भूमिका मे रहेंगे ।

श्री चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रमो से कायस्थ परिवारो को बनाया जा रहा है माँसाहार,नशा.मुक्त

कायस्थ बंधु समिति घर घर जाकर दिला रही है संकल्प

भोपाल निप्र। कायस्थ समाज मे माँसाहार खान-पान का प्रचलन तेजी से बढ रहा है।इसके साथ साथ परिवारो मे नशा करने की प्रवर्ति भी पनप रही है।इसे रोकने के लिए हर साल नवरात्रि पर कायस्थ बंधु समिति घर घर जाकर चित्रगुप्त सम्मान के जरिए परिवारो को संकल्प दिला रही है।माँसाहार,नशा.मुक्त अभियान चला कर परिवारो को शाकाहार बनाया जा रहा है।कायस्थ समाज मे विगत लम्बे समय से चित्रगुप्त सम्मान के जरिए सामाजिक जन जाग्रति की जा रही है।बीते कुछ दिनो से चैत्र नवरात्रि पर कायस्थ बंधु समिति भोपाल कायस्थ परिवारो मे जाकर अण्डे ,माँस न लेने के साथ साथ नशीले पदार्थो से दूर रहने का संकल्प दिला रही है।अभी तक भोपाल से दो सौ से अधिक परिवार माँसाहार नशा.मुक्त अभियान मे शामिल हो चुके है।

इसी उद्देश्य को लेकर शुक्रवार को रायसेन रोड प्रेस कालोनी मे श्रीमति गीता प्रयास श्रीवास्तव को परिवार सहित को माँसाहार,नशा.मुक्त अभियान मे शामिल होने पर कायस्थ बंधु समिति के अध्यक्ष गिरीश.श्रीवास्तव ने पीले गमछे पहनाकर सम्मान मे भगवान श्री.चित्रगुप्त जी की तस्वीर भेट कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है।इस शुभ अवसर पर परिवार के वरिष्ठ सदस्यो ने भविष्य मे अण्डे माँस न लेने के साथ साथ अपने बेटे का विवाह बिन दहेज मांग करने का संकल्प भी लिया है।समिति के गिरीश.श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज पर माँसाहार खान-पान के लगे कलंक से मुक्त करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।माँसाहार से न केवल शारीरिक नुकसान होता है बल्कि परिवारिक व्यवहारिक रिश्तो मे भी नकारात्मकता आ रही है।कायस्थ समाज शाकाहार बने इसी आशय के साथ माँसाहार मुक्त महाअभियान भोपाल सहित अन्य नगरो महानगरो मे लगातार चलाए जा रहे है।

|| संपादकीय ||

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

संसार में रामराज्य के सैध्दान्तिक स्वरूप की मांग

समाज में सभ्यता का प्रादुर्भाव होते ही व्यवस्था देने की गरज से लोकतंत्र, राजतंत्र और बलतंत्र की स्थापना का प्रचलन प्रारम्भ हुआ जिसने समय के साथ बदलाव स्वीकार किया और धनबल, जनबल, बाहुबल, छलबल जैसे कारकों का वर्चस्व स्थापित होने लगा। पुरानी परम्पराओं में स्वीकार की गई मान्यताओं का रूढियों में हस्तांतरण होते ही नवीनता के नाम पर चन्द लोगों व्दारा छुपे हुए स्वार्थों की पूर्ति हेतु तत्कालीन व्यवस्था का अपहरण किया जाता रहा है। कभी सहकारिता के आधार पर व्यवस्थायें बनी तो कभी प्रतिभाओं को दयित्व सौंपे गये। कभी बहुमत से मुखिया का चुनाव हुआ तो कभी अनुभवी व्यक्ति को व्यवस्था की बागडोर सौंपी गई। सभ्यता के प्रारम्भिक काल में कर्म के आधार पर व्यवस्था का पुनीत कार्य किया जाता था परन्तु बदलते समय के साथ अहंकार, लोभ, मोह, तृष्णा, लालच, स्वार्थ जैसी विकृतियों ने मानवीय काया मे प्रवेश कर लिया। षडयंत्रकारियों को लालची लोगों की भीड मिलना शुरू हो गई।

धर्म के स्थान पर वैभव ने आसन जमा लिया। छल से धन का संग्रह करने वालों ने धन से लोगों की भीड एकत्रित की और फिर भीड का बल दिखाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। साम, दम, दण्ड, भेद की चौपाइयों पर चौपालें सजाई जाने लगीं। मनमाने फरमान जारी होने लगे। समान स्वार्थ वालों ने सीधे-सरल लोगों को बल के आधार पर भयाक्रान्त किया और फिर थोपे गये परिवादवाद-वंशवाद के नये शासक। क्षमता के आधार पर स्वीकारे गये कार्यों की वर्ण व्यवस्था को जन्म के आधार पर करने के लिए मजबूर किया गया। बस यहीं से जाति व्यवस्था का विष बीज रोपित हुआ। वर्गीकरण के आधार पर विभाजन के नये अध्याय लिखे जाने लगे। छोटे समूहों के समाजों का कबीलाई स्वरूप शनैः - शनैः विकसित होता चला गया। रियासतों-जागीरों का प्रादुर्भाव हुआ और फिर बने राज्य, राष्ट्र और राष्ट्रीय संघ। सामाजिक व्यवस्था के नाम पर जटिलताओं का अम्बार लगता चला गया। स्वार्थ की चरमसीमा अन्तविहीन हो गई। वर्तमान में मानवता की विवेचनायें अपना अर्थ खो चुकीं हैं।

सिध्दान्त समाप्त हो गये हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण का अंधापन जग जाहिर है। सदन से लेकर समाज के अन्तिम छोर तक मर्यादाओं की होली जलाई जा रही है। स्वार्थ के ठहाकों के मध्य कर्तव्यों की करुण पुकार सुनने वाला कोई नहीं है। भय ने व्यवस्था को बंदी बना लिया है। कहीं विस्तारवादी देश अपनी सीमाओं को नया आकार देने में लगे हैं तो कहीं अहंकार की होड में आम जिन्दगियां तबाह हो रहीं हैं। कहीं कथित धर्म की आड में कट्टरता का नारा बुलंद हो रहा है तो कहीं प्राचीनतम होने की कस्में खाईं जा रहीं है। कहीं आक्रान्ताओं की शान में कसीदे पढे जा रहे हैं तो कहीं कष्टप्रद अतीत की निशानियां मिटाने की पहल हो रही है। आगन्तुक आतिताइयों की गुलामी करने वाली जमातें इतिहास की मजबूरियों को वर्तमान में भी यथावत ढोती जा रहीं हैं। उन्हें अब गुलामी की इबारत ही अपने वजूद की इकलौती हकीकत लग रही है।

ईमानदाराना बात तो यह है कि एकमात्र सर्वोच्च सत्ता को प्रकाश, रोशनी, ज्योति, लाइट, नूर जैसे एक ही कारक को अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग नाम दिये गये हैं मगर सभी का अर्थ एक है, स्वीकारोक्ति एक है, मान्यतायें एक है। उस अदृश्य सत्ता को देखने की सामर्थ मानवीय आंखों में नहीं है, उसके संदेश सुनने की ताकत कानों में नहीं है, उसका स्पन्दन स्वीकारने का बल शरीर में नहीं है। पुरातनकाल के अपने तपोबल से सर्वोच्च सत्ता की अनुभूतियां प्राप्त करने वाले महापुरुषों ने अलग-अलग मार्ग बताये। मगर अनुयायियों ने उनके बताये मार्ग पर न चलकर महापुरुषों के जन्म स्थान, मृत्यु स्थान, साधना स्थान आदि को इबादतगाहों-तीर्थों में तबदील कर दिया। वहां पर जाकर इबादत करने, पूजा करने जैसे कृत्य विस्तार पाने लगे।

अनुयायियों ने भी आगन्तुकों की सेवा के लिए धनार्जन का नया रास्ता चुन लिया। ऐसे में महापुरुषों के दिये गये सिध्दान्त गौण होते चले गये। व्यक्ति पूजित होने लगा। सद्कर्म समाप्त हो गये। महापुरुषों की गद्दियां होतीं है, कोई गद्दी से महापुरुष नहीं होता। यह बात लोगों की समझ में नहीं आ रही है। वंशवाद के आधार पर सामर्थ का आना सम्भव नहीं है। सनातन की मान्यता के अनुसार सृष्टि की रचना ब्रह्मा जी ने की है जिनके पुत्र ऋषि पुलस्त्य थे। ऋषि पुलस्त्य के पुत्र विश्रवा थे जिन्होंने रावण जैसी संतान को जन्म दिया।

विव्दता की सामर्थ होने का बाद भी वह एक वनवासी के हाथों मारा गया। कारण स्पष्ट है कि तानाशाही, अहंकार, बल के दुरुपयोग, विलासता की आकांक्षा और सत्ता के घमण्ड ने उसका दुखःद अंत कर दिया। अनुशासन, न्याय, भाईचारा, सद्भावना, परोपकार, आज्ञापालन जैसे गुणों के समुच्चय से परिपूर्ण श्रीराम ने मानवता के शत्रुओं का संहार ही नहीं किया बल्कि समाज के उपेक्षित वर्ग की सामर्थ का लोहा भी मनवा दिया। वे श्रीराम से भगवान श्रीराम बन गये। उल्लेखनीय है कि नक्षत्र विज्ञान और ज्योतिष के अनुसार यह संधिकाल मानवीय चेतना हेतु सर्वाधिक ऊर्जावान है जिसमें शक्ति के महापर्व का समापन और मर्यादा पुरुषोत्तम का अवतरण एक साथ हो रहा है।

शक्ति साधना की पूर्णाहुति पर ब्रह्म का आगमन निश्चय ही महान क्षण है जिसमें एकाग्रता से की गई प्रार्थना निश्चय ही सफल होती है। रामराज्य की कल्पना का अर्थ किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय तक ही सीमित नहीं है बल्कि उस काल के घटनाक्रम की प्रेरणात्मक उपस्थिति का सार्वभौमिक अस्तित्व है। एक अनुकरणीय अध्याय है जिनका सूक्ष्म विश्लेषण करके दैहिक, दैविक और भौतिक समस्याओं का निदान किया जा सकता है। संसार की समस्त समस्याओं के वृक्ष को भौतिक स्वार्थरूपी जड से पोषण मिल रहा है। यही सब तो सतयुग, त्रेतायुग और व्दापरयुग के अन्तिम सोपानों में होता रहा है। जब-जब विकृतियों ने मानवीय सोच पर एकाधिकार किया, तब-तब विनाश का बिगुल गूंजा। वर्तमान परिदृश्य में समूचा संसार करने लगा है रामराज्य के सैध्दान्तिक स्वरूप की मांग ताकि जड-चेतन का कल्याण हो सके। युध्द के झंझावात मिट सकें, स्वार्थ का वर्चस्व समाप्त हो सके। विस्तारवादी नीतियों का दमन हो सके। दहशतगर्दी नस्तनाबूद हो सके। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

राम नाम लेकर सत्ता में पहुँची BJP का जन्मदिन रामनवमी पर, रामेश्वरम में मोदी ने एक संयोग और जोड़ा

> भाजपा आज अपने स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी के नेता अपने भाषणों में कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी जहां ''राष्ट्र भक्ति'' को समर्पित है वहीं विरोधी दलों का समर्पण ''परिवार भक्ति'' के प्रति है।

आज रामनवमी है यानि प्रभु श्रीराम का जन्मदिन। संयोग देखिये कि देश में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी का जन्मदिन भी इस बार प्रभु श्रीराम के जन्मदिवस पर ही पड़ा है। हम आपको बता दें कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। राम नाम लेकर भाजपा ने जिस तरह देशभर में अपना परचम फहराया और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बनाने का संकल्प सिद्ध कर दिखाया, यह उसी की परिणति है कि पार्टी लगातार चुनाव जीतती जा रही है। रामनवमी के पर्व पर पड़े भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम के दौरे पर हैं। रामेश्वरम को वह स्थान माना जाता है, जहाँ भगवान श्रीराम ने रावण को हराने के लिए लंका तक जाने के लिए पुल का निर्माण किया था। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री रामेश्वरम में श्रीलंका यात्रा के बाद पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री ने यहां पंबन पुल का उद्घाटन किया है। रामनवमी यानि रामजी के जन्मदिन के दिन प्रधानमंत्री द्वारा इस पुल का उद्घाटन करने का काफी धार्मिक महत्व माना जा रहा है।

दूसरी ओर, भाजपा आज अपने स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पार्टी के नेता अपने भाषणों में कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी जहां ''राष्ट्र भक्ति'' को समर्पित है वहीं विरोधी दलों का समर्पण ''परिवार भक्ति'' के प्रति है। भाजपा नेता परिवारवादी पार्टियों को लोकतंत्र का दुश्मन भी करार दे रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय पर ध्वजारोहण कर पार्टी के विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

तथा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनका मार्गदर्शन भी किया। इसके अलावा सभी राज्यों में पार्टी की ओर से तमाम कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं और अब तक के सफर में योगदान देने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद किया जा रहा है।

देखा जाये तो देश के राजनीतिक इतिहास में छह अप्रैल का दिन खास अहमियत रखता है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में आज ही के दिन हुई थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा 1951 में स्थापित भारतीय जन संघ से इस नयी पार्टी का जन्म हुआ था। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने मुंबई में हुए अधिवेशन में भाजपा की नींव रखी थी और वह पार्टी के पहले अध्यक्ष भी चुने गये थे। दो सांसदों वाली पार्टी से तीसरी बार केंद्र में लगातार सरकार बनाने वाली पार्टी बनी भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी सदस्य संख्या वाली राजनीतिक पार्टी भी है। यही नहीं आज देश में भाजपा या भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों में सरकार है। इस तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की विचारधारा से उपजी भारतीय जनता पार्टी एक तरह से अपने स्वर्णिम काल में है।

जनता का भाजपा के प्रति आकर्षण इसलिए भी बढ़ता जा रहा है क्योंकि वह चुनाव परिणाम की परवाह किये बिना राष्ट्रहित के मुद्दों पर आगे बढ़ने में संकोच नहीं करती। अयोध्या में राम मंदिर बनाने की बात हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाने की बात हो, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात दिलाने की बात हो, वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने की बात हो, महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की बात हो या फिर समान नागरिक संहिता और 'एक देश एक चुनाव' जैसे बड़े सुधारों पर आगे बढ़ने की बात हो, भाजपा ने बिना संकोच किये अपने नीतिगत मुद्दों पर कदम आगे बढ़ाया और राष्ट्र को प्रगति पथ पर ले गयी।

हम आपको यह भी बता दें कि भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थापना के समय से ही पंच निष्ठाओं को लेकर चली है। यहं पंच निष्ठाएं हैं- 1- राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय एकता, 2- लोकतंत्र, 3- सामाजिक और आर्थिक विषय पर गांधीवादी दृष्टिकोण, 4- सकारात्मक पंथनिरपेक्षता, 5- मूल्यों पर आधारित राजनीति। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से तय किये गये संकल्प- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', '2047 तक विकसित भारत' को सिद्ध करने के लिए भाजपा 'सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के आधार पर काम करने में जुटी हुई है।

• नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संघ के संस्कारों का सवाल

बस सडक़ पर, ड्राइवर सडक़ पर और 40 स्कूली बच्चों से भरी बस हादसे की ओर निकल पड़ी, लेकिन ऊपरी शिमला के एक छात्र आदित्य मेहता ने ब्रेक लगाकर प्रदेश की हर सुर्खी बटोर ली। इस क्षमता, दिमागी स्फूर्ति, चैतन्य भाव, बहादुरी का अंदाज और कुछ कर दिखाने का जज्बा अंततः एक ऐसी अनुकरणीय कहानी लिख गया, जो किसी पाठ्यक्रम से संभव नहीं। उधर सदन में चारित्रिक खोट निकालने की प्रवृत्ति ने भाषा ईजाद कर ली, लेकिन सफर पर निकले हिमाचल को अंततः सडक़ पर ही पटक दिया जा रहा है। हम आर्थिक संसाधनों की खराब बस पर अनियंत्रित खर्च की कहानी में ब्रेक लगाना भूल गए। क्या इसी बस पर सवार जनता अनिश्चित-असुरक्षित सफर को किसी दिशा में ले जाने के लिए अपनी अपेक्षाएं बदल पाएगी। हम व्यवस्था को कोसते हैं, लेकिन इसी व्यवस्था को नोचते हैं। हमारे सोच और विकास का दायरा, घोषणाओं की चाटुकारिता में यह भूल गया कि राज्य के हर पहलू में हमें हकीकत को अंगीकार करके प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। इसी परिप्रेक्ष्य में देखें तो सियासत के दरवाजे इतने बढ़ गए कि हिमाचली अस्तित्व की बस अपनी ही हवाओं का शिकार हो गई। सदन में कई बार जो बोलता, सडक़ पर नहीं सुनता और जहां सडक़ बोल रही है, सदन की कार्यवाही नहीं सुन रही। बीबीएन के कुछ युवाओं ने मुंडन करवा लिया। मुंडवा दिए सिर के बाल ताकि खबर हो, लेकिन शंका यह कि खबर होगी नहीं। बीबीएन की सडक़ें खराब हैं। वाहनों की ही नहीं, यात्रियों की भी चूलें हिल जाती हैं, छोटे से सफर पर। कई मांग पत्र लिखे गए, दरख्वास्तें बनी होंगी, लेकिन सफर पर निकले महकमे और बजट से निकले अर्थ को फुर्सत नहीं कि कुछ सुना जाए। ऐसे में अगर व्यवस्था मुंडन से जागने लगे, तो हजामत में कृत्रिम गंजापन हमारी वकालत हो जाएगा। हम चाहते हैं हर कुछ, हमारे सिर की खातिर हो जाए, लेकिन नागरिक अपेक्षाओं के सिर-धड़ की बाजी अब मुंडन संस्कार के आक्रोश तक पहुंच गई। मुंडन तो हिमाचल को भी करवाना पड़ रहा है।

विधानसभा का पूरा सत्र और सत्र के बाहर विपक्ष का गुस्सा सिर्फ इसी बात पर निकल गया कि राज्य के 'बाल' आखिर काटे किसने। ये कौनसी शक्तियां हैं जो पहाड़ों को समतल बना पा रही हैं और यह कौनसी सडक़ है, जहां से हर दिन एक साथ कई नई जेसीबी मशीनें अपने प्रतिज्ञा पत्र के साथ हिमाचल की हजामत करने आ रही हैं। आश्चर्य होता है कि सदन में मंत्री महोदय के पास आंकड़े होते हैं कि प्रदेश में कृषि और फलोत्पादन बढ़ गया या ग्रामीण आर्थिकी तरक्की कर गई, मगर बाहर सडक़ पर बाहरी प्रदेशों से उपभोक्ता वस्तुओं से लदे ट्रकों की कतार बिना ब्रेक के आ रही है। प्लेट पर रखी ब्रेड, तबे पर चपाती का आटा और कुकर में पक रही बासमती का झाड़ हमारे खेत से तो नहीं आया। हमारे खेत में तो रोज बंदर आता है, वह उगते हर दाने और मूली को उखाड़ हमीं से पूछता है, 'तुम किस खेत की मूली हो।' हमारा खेत अगर मूली के भी काबिल नहीं, तो आवारा पशुओं की बढ़ती तादाद के मायने क्या हैं। हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और प्रदेश के कई अन्य जिलों का किसान अब अपने खेत से नहीं, मुफ्त के राशन से अपना पेट भर पा रहा है, तो किस्सा किस सदन से सुनें। क्या नए लोकसभा भवन के सदन से अपेक्षा करें या शिमला से तपोवन तक पहुंची विधानसभा के विस्तार से पूछें कि हिमाचल के जंगली जानवरों के सामने हमारे खेत की औकात क्या है।

जनरल नॉलेज

जब चांद बना था, तब पृथ्वी पर कितने घंटे का होता था दिन? अब तक कितना हुआ बदलाव?

आज के समय में धरती पर 24 घंटे के दिन होते हैं, लेकिन एक वक्त पर ये दिन 10 घंटे से भी कम हुआ करते थे. पर ऐसा कब होता था, क्या आपको इसके बारे में पता है?

हमलोग के पास दिनभर में इतना काम होता है कि कई बार हमारे पास दिन के 24 घंटे भी कम पड़ जाते हैं. लेकिन अरबों साल पहले धरती पर एक दिन 10 घंटे से भी कम हुआ करता था. अब यह लगातार बढ़ता जा रहा है. चंद्रमा बहुत धीरे-धीरे पृथ्वी से दूर जा रहा है और एक दिन वक्त को प्रभावित करेगा. इसका कारण यह है कि यह धीरे -धीरे हमारे ग्रह से दूर खींच रहा है और इसका कारण चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण या टाइडल फोर्सेज बताया जा रहा है.

जब चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी पर पड़ता है, तो इससे महासागरों की लहरों में उछाल आता है. ऐसे में आपके दिमाग में यह सवाल आ रहा होगा कि जब शुरू में चंद्रमा बना था तब आखिर दिन कितने घंटे के होते थए, आइए जान लेते हैं.

लंबे होते जा रहे हैं दिन - चंद्रमा मुख्य रूप से ग्रैविटेशनल टग ऑफ वॉर बनाता है, चूंकि टाइगल बल्ज की वजह से यह चंद्रमा को अपनी कक्षा में खींचता है. इस ऊर्जा के कारण ही चंद्रमा धीरे-धीरे लगभग 3.82 सेंटीमीटर (1.5 इंच) प्रति वर्ष की दर से दूर होता जा रहा है. जैसे-जैसे हमारी पृथ्वी चंद्रमा से दूर होती जा रही है, पृथ्वी के दिन हर 100 वर्ष में लगभग 1.7 मिलीसेकेंड लंबे होते जा रहे हैं. अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. मैगी एडरिन-पोकॉक का बीबीसी से कहना था कि "हमें 3.78 सेमी का अंतर ज्यादा नहीं लगता है, लेकिन लंबे समय तक यह छोटा सा अंतर पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित कर सकता है, जिससे ग्रह की गति धीमी हो सकती है.'

चंद्रमा बनने के वक्त कितने लंबे होते थे दिन - शुरुआत में जब पृथ्वी का निर्माण हुआ था, तब चंद्रमा का भी नया-नया निर्माण हुआ था. उस वक्त दिन पांच घंटे लंबे होते थे, लेकिन पिछले 4.5 अरब वर्षों से पृथ्वी पर चंद्रमा के ब्रेकिंग इफेक्ट के कारण दिन धीमे होकर 24 घंटे के हो गए हैं, जैसा कि हम जानते हैं और भविष्य में भी वे धीमे ही होते रहेंगे.

टेक्नोलॉजी

व्हाट्सऐप ला रहा नया प्राइवेसी फीचर, अब भेजे गए फोटो और वीडियो दूसरों के फोन में नहीं होंगे सेव

व्हाट्सऐप लगातार यूज़र्स की प्राइवेसी को बेहतर बनाने के लिए नए-नए फीचर्स पेश करता रहता है. ऐसे में हाल ही में सामने आए एक अपडेट के अनुसार,

व्हाट्सऐप लगातार यूज़र्स की प्राइवेसी को बेहतर बनाने के लिए नए-नए फीचर्स पेश करता रहता है. ऐसे में हाल ही में सामने आए एक अपडेट के अनुसार, व्हाट्सऐप अपने एंड्रॉइड बीटा वर्जन में एक खास फीचर की टेस्टिंग कर रहा है. यह नया फीचर मीडिया सेविंग से जुड़ा है जिसकी मदद से भेजी गई फोटो और वीडियो रिसीवर के डिवाइस में अपने आप सेव नहीं होंगी. हालांकि, अभी इस फीचर को सभी यूजर्स के लिए रोलआउट नहीं किया गया है.

क्या है ये नया फीचर? - जानकारी के लिए बता दें कि इस फीचर की मदद से अब यूज़र्स को चैट पर पहले से ज्यादा कंट्रोल मिलेगा कि वे जो मीडिया भेजते हैं, वह सामने वाले के फोन में सेव हो या नहीं. बताते चलें कि अभी

तक व्हाट्सऐप द्वारा भेजी गई फाइलें अपने आप रिसीवर के डिवाइस में सेव हो जाती थीं लेकिन इस अपडेट के बाद यूज़र खुद तय कर सकेंगे कि वे ऑटो-सेव विकल्प को चालू रखें या बंद करें.

कैसे काम करेगा नया फीचर - व्हाट्सऐप पर आने वाला ये नया फीचर कुछ हद तक Disappearing Message की तरह ही है. इस फीचर के तहत सेंड करने वाला यूज़र यह तय कर सकेगा कि उसका भेजा गया फोटो, वीडियो या मैसेज रिसीवर द्वारा सेव किया जा सके या नहीं. इससे न केवल मीडिया फाइलें सेव होने से बचेंगी बल्कि पूरी चैट को एक्सपोर्ट या फॉरवर्ड करना भी संभव नहीं होगा.

Meta AI का इस्तेमाल - जानकारी के लिए बता दें कि अगर यूज़र इस प्राइवेसी सेटिंग को ऑन कर लेते हैं तो उन्हें 'एडवांस चैट प्राइवेसी' का हिस्सा माना जाएगा. इसके बाद वे Meta AI का इस्तेमाल उस चैट में नहीं कर पाएंगे. फिलहाल यह पूरा सिस्टम डेवलपमेंट और टेस्टिंग स्टेज में है और जल्द ही इसे सभी यूजर्स के लिए रोल आउट किया जा सकता है.

नेपाल में राजतंत्र, सीमा विवाद बिम्सटेक समिट में मिले ओली और पीएम मोदी, रिश्तों में तनातनी के बीच क्या हुई बात

एजेंसी बैंकॉक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शुक्रवार से छठा बिम्सटेक शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के मौके पर नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली से मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए संबंधों में बेहतरी की उम्मीद जताई है। ये मुलाकात भारत और नेपाल के लिहाज से अहम है। केपी ओली के नेपाल की सत्ता में आने के बाद से उनका रुख भारत के बजाय चीन की तरफ देखा गया है। इससे दोनों देशों के रिश्ते पर असर हुआ है। हाल ही में नेपाल में राजतंत्र के समर्थन में हुए प्रदर्शनों के पीछे भी भारत का हाथ होने की बातें काठमांडू में कही गई हैं। इससे दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है। नरेंद्र मोदी और केपी ओली ने बैंकॉक में इस मुलाकात के दौरान भारत और नेपाल के संबंधों की समीक्षा की। इस दौरान नेताओं ने लोगों के बीच भौतिक और डिजिटल संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्र में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों देशों और लोगों के बीच बहुआयामी साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में काम करने पर दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की है। केपी ओली ने भारतीय पीएम से मुलाकात के बाद एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, मेरे प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय भेंट हुई। हमारी बातचीत अत्यंत सार्थक और सकारात्मक रही। इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात पर हर्ष व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में कहा, 'बैंकॉक में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ एक सार्थक बैठक हुई। भारत नेपाल के साथ संबंधों को अत्यधिक प्राथमिकता देता है। इस बैठक में हमने भारत-नेपाल मैत्री के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, विशेष रूप से ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर बात की। हमने इस वर्ष के बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के कुछ प्रमुख सकारात्मक परिणामों के बारे में भी बात की। आपको क्या लगता है कि भारत-नेपाल के नेताओं की मुलाकात का क्या प्रभाव पड़ेगा? भारत और नेपाल एक दूसरे के अहम पड़ोसी और साझेदार रहे हैं। हालांकि दोनों देशों के रिश्ते बीते कुछ समय में कई विवादों से प्रभावित हुए हैं। सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों में बीते साल बयानबाजी देखने को मिली थी। नेपाल में नए नोट पर नक्शे को लेकर भी भारत ने आपत्ति जताई थी। 2024 में केपी ओली के पीएम बनने के बाद चीन की यात्रा करने ने भी संबंधों पर असर डाला। इसके बाद काठमांडू में राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों के लिए नेपाल में भारत की तरफ उंगली उठी है। ऐसे में नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच इस बैठक से संबंधों में बेहतरी की उम्मीद लगाई जा रही है।

अमेरिकी नागरिक से शादी कर ग्रीन कार्ड पाना हुआ मुश्किल, USCIS ने बदले नियम, अब क्या करना होगा

एजेंसी वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों का अमेरिकी नागरिक से शादी कर ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई करने वाले विदेशियों पर भी असर हो रहा है। इस साल यानी 2025 में अमेरिकी नागरिक से शादी कर ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई करने वालों को फॉर्म I-130 और स्टेटस एडजस्टमेंट की प्रक्रिया बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (USCIS) ने शादी के आधार पर ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रियाओं में कई बदलाव किए हैं। इन बदलावों में एप्लीकेशन के लिए इंतजार, शादी की सच्चाई जानने के लिए कड़ी जांच, फॉर्म में बदलाव और बढ़ी फीस शामिल है। ऐसे में आवेदकों को ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई करते हुए बहुत ध्यान रखना होगा। एक छोटी सी गलती भी एप्लीकेशन रिजेक्ट करा सकती है। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के आधार पर ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई करने वालों को 2025 में लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। बायोमेट्रिक्स अपॉइंटमेंट, इंटरव्यू और अप्रूवल में अब पहले से ज्यादा समय लग रहा है। USCIS ने भी ये माना है कि प्रक्रिया में देरी हो रही है। इसकी वजह जांच और वेरिफिकेशन में ज्यादा समय लगना है। क्या आप USCIS की पॉलिसी को उचित मानते हैं जो फर्जी विवाहों को रोकने के लिए है? हाँ, इसे लागू करना चाहिए नहीं, यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन है इसकी समीक्षा की जानी चाहिए USCIS अधिकारी शादियों की सच्चाई को लेकर खासतौर से सख्ती दिखा रहे हैं। ऐसे लोगों पर अफसर सख्ती दिखा रहे हैं, जो अमेरिकी नागरिकता के लिए फर्जी शादी करते हैं। ऐसे में USCIS के अफसर फाइनेंस, रहने की जगह और सोशल हिस्ट्री को गहराई से देखेंगे। इंटरव्यू में अब ज्यादा और सख्त सवाल पूछे जाएंगे और ज्यादा सबूत मांगे जाएंगे। अगर कागजात पूरे नहीं हुए तो एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दी जाएगी। USCIS ने फॉर्म भरने की फीस बढ़ा दी है और फॉर्म I-130 फैमिली पिटीशन का नया वर्जन जारी किया है। अमेरिका में अभी तक USCIS अक्सर सिर्फ कागजात के आधार पर ग्रीन कार्ड दे देता था और कई मैरिज ग्रीन कार्ड इंटरव्यू माफ कर देता था। अब एजेंसी ने कई आवेदकों के लिए इन-पर्सन इंटरव्यू फिर से शुरू कर दिए हैं। USCIS शादी को असली मानने के लिए कुछ बातों पर ध्यान दे रहा है। इनमें जॉइंट बैंक अकाउंट, शेयर्ड मॉर्गेज या लीज, समय के साथ ली गई तस्वीरें, कॉल लॉग, ईमेल और टेक्स्ट मैसेज, दोस्तों और परिवार के सदस्यों से हलफनामे शामिल हैं। USCIS ने कहा है कि विवाह धोखाधड़ी हमारी आव्रजन प्रणाली की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाती है। केवल आव्रजन लाभ प्राप्त करने के लिए शादी करना अपराध है और इसके परिणामस्वरूप निर्वासन, गिरफ्तारी और भारी जुर्माना हो सकता है।' USCIS ने लोगों से अपील की है कि आव्रजन लाभ कार्यक्रमों में विवाह धोखाधड़ी और दुर्व्यवहार के मामलों की जानकारी उनको दें।

रूसी ब्रह्मास्त्र F-35 लड़ाकू विमान की टेक्नोलॉजी कर लेगा चोरी सीरिया में S-400 तैनात कर सकता है तुर्की, खौफ में अमेरिका

एजेंसी अंकारा

अमेरिका को डर है कि उसके एडवांस एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट की टेक्नोलॉजी रूसी एस-400 डिफेंस सिस्टम चुरा सकता है। अमेरिका की चिंता उस वक्त सामने आई है जब तुर्की ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को सीरिया में तैनात करने का फैसला किया है। दरअसल, तुर्की ने मध्य सीरिया में T-4 एयरबेस पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए सबसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोनों की तैनाती की योजना बनाई है। इस हफ्ते रिपोर्ट आई थी कि तुर्की,सीरिया में अपनी सैन्य मजबूती और बढ़ाने के लिए अपने हिसार एयर डिफेंस सिस्टम के साथ साथ रूसी S-400 एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात करने की योजना बना रहा है। तुर्की की कोशिश सीरिया की नई सरकार की रक्षा करने के साथ साथ इस्लामिक स्टेट के आतंकियों को रोकना है। लेकिन अगर तुर्की ऐसा करता है तो इससे मिडिल ईस्ट में अमेरिका के हितों को नुकसान पहुंचने की संभावना है। T-4 एयरबेस पर पिछले दिनों हमला करने की कोशिश हुई थी, लिहाजा तुर्की यहां सुरक्षा को बढ़ाना चाहता है। ये एयरबेस तुर्की की सीमा से करीब 140 मील दक्षिण में और तुर्की और इजराइल के बीच में है। सीरिया के हवाई क्षेत्र को यहां से काफी आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। मिडिल ईस्ट आई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि तुर्की यहां हिसार सिस्टम के साथ साथ एस-400 की तैनाती कर सकता है। एस-400 रूस में बना एयर डिफेंस सिस्टम है, जो 250 मील तक लक्ष्यों को भेदने की क्षमता रखता है। S-400 डिफेंस सिस्टम को असली गेम-चेंजर माना जाता है। 2019 में तुर्की ने रूस से 2.5 बिलियन डॉलर के सौदे में इसे खरीदा था। यह प्रणाली 98,000 फीट की ऊंचाई पर स्टील्थ एयरक्राफ्ट से लेकर बैलिस्टिक मिसाइलों तक के लक्ष्यों का पता लगा सकती है और उन्हें नष्ट कर सकती है। इसका रडार 370 मील दूर मौजूद किसी हथियार को ट्रैक सकता है। इसके अलावा इसकी मिसाइलें 250 मील की दूरी पर हमला कर सकती हैं। माना जाता है कि T-4 एयरबेस में अगर एस-400 मिसाइल सिस्टम की तैनाती होती है तो इसकी जद में करीब करीब पूरा सीरिया आ जाएगा। इसके अलावा ये डिफेंस सिस्टम इजराइल, पूर्वी तुर्की और भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों को भी कवर कर सकता है। इसीलिए अमेरिका को डर है कि सिस्टम का रडार F-35 की स्टील्थ क्षमताओं को स्कैन सकता है। ये एक पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट है, जिसका रडार क्रॉस-सेक्शन गोल्फ की गेंद से भी छोटा है। ये सटीक-गाइडेड हथियारों के साथ 700 मील दूर लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है। पेंटागन ने तर्क दिया है कि S-400 का रखरखाव करने वाले रूसी तकनीशियन F-35 का डेटा चुकाकर उसे मॉस्को भेज सकता है। तुर्की पहले भी एस-400 को नाटो नेटवर्क से अलग रखने से इनकार कर चुका है। और अब अगर सीरिया में एस-400 की तैनाती होती है, तो अमेरिका के लिए ये एक बहुत बड़ा झटका होगा। आपको बता दें कि अमेरिका, पूर्वी सीरिया में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है, जहां लगभग 900 सैनिकों के साथ मिलकर वो ISIS का मुकाबला कर रहा है। इजराइल F-35 से ही सीरिया में हमले करता है, ऐसे में अमेरिका का डर बढ़ता जा रहा है। उन्हें डर है कि ऐसे ही किसी ऑपरेशन में अमेरिकी फाइटर जेट की टेक्नोलॉजी चोरी हो सकती है।

जुल्फिकार अली भुट्टो ने जिसे बनाया आर्मी चीफ, उसी ने तख्तापलट कर दी मौत, आज ही के दिन हुई थी पाकिस्तान की सबसे विवादित फांसी

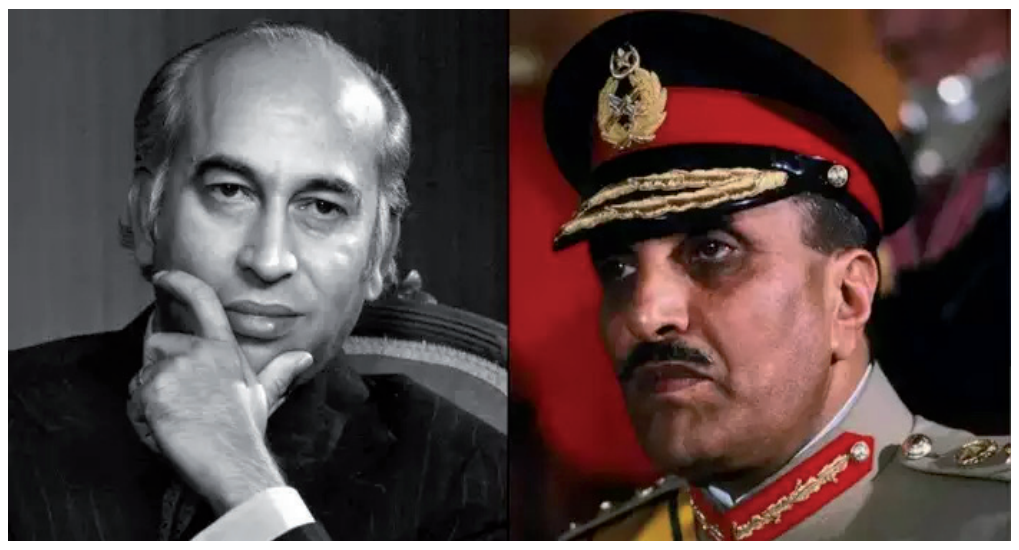

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुने गए पहले प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की आज (4 अप्रैल) पुण्यतिथि है। भुट्टो को 4 अप्रैल 1979 को 51 साल की उम्र में रावलपिंडी जेल में फांसी दी गई थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री, पीएम और राष्ट्रपति रहे भुट्टो की फांसी पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास की सबसे विवादित घटनाओं में से एक है। यहां तक कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने भी 2024 में माना था कि भुट्टो की फांसी में कानूनी प्रक्रिया का ठीक से पालन नहीं किया गया था। इस साल पाकिस्तान सरकार ने भुट्टो को निशान-ए-पाकिस्तान से भी सम्मानित (मरणोपरांत) किया है। जुल्फिकार अली भुट्टो पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नवाब मोहम्मद अहमद कसूरी की हत्या के आरोप में मुकदमा चलाया गया था और फांसी की सजा सुनाई गई थी। कई राष्ट्राध्यक्षों की याचिकाओं और क्षमादान की अपीलों के बावजूद भुट्टो को 4 अप्रैल, 1979 को फांसी पर लटका दिया गया। सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक के शासन में उनको फांसी दी गई थी। दिलचस्प बात ये है कि जिया को सेना में आगे बढ़ाने वाले भी भुट्टो ही थे। ब्रिटिश इंडिया में 5 जनवरी 1928 को प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में पैदा हुए जुल्फिकार अली भुट्टो ने अमेरिका से पढ़ाई की थी। वह अपने समय के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे नेताओं में शुमार थे। भुट्टो सिर्फ 34 साल की उम्र में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बने थे। विदेश मंत्री के तौर पर वैश्विक मंचों पर उनके भाषणों ने उनको पाकिस्तान में लोकप्रिय नेता बना दिया। साल 1971 में वह पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने। इसके दो साल बाद 1973 में वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन गए। जुल्फिकार अली भुट्टो ने प्रधानमंत्री रहते हुए साल 1976 में जिया उल हक को पाकिस्तानी सेना का प्रमुख बनाया था। पाक सेना के कई अफसर जिया से सीनियर थे लेकिन भुट्टो ने नियमों से पार जाते हुए उनको पाक आर्मी चीफ बनाया। भुट्टो कैबिनेट में मंत्री और पंजाब के गवर्नर रहे गुलाम मुस्तफा खार ने बीबीसी से एक बातचीत में बताया था कि उन्होंने भुट्टो को आगाह किया गया था कि वह जिया को सेनाध्यक्ष ना बनाएं लेकिन उन्होंने नहीं सुनी। खार ने बताया था कि भुट्टो ने जिया को भारत में पैदा होने, दिखने में प्रभावशाली ना होने और अच्छी अंग्रेजी ना बोलने के चलते चुना था। भुट्टो को लगा था कि इन कारणों से जिया मजबूत सेना प्रमुख नहीं बन सकेंगे। ऐसे में सेना की ओर से किसी बगावत की संभावना नहीं रहेगी। हालांकि भुट्टो का जिया के बारे में आंकलन गलत साबित हुआ। जिया के सेना प्रमुख बनने के एक साल के भीतर ही 1977 में भुट्टो का पीएम पद चला गया। इसके बाद भुट्टो पर हत्या का मुकदमा चला और 1979 में उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया गया। क्या गलत थी पाकिस्तान के पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी की सजा! जुल्फिकार अली भुट्टो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के संस्थापक थे। यह पार्टी पाकिस्तान की बड़ी राजनीतिक ताकत है। भुट्टो के परिवार का भी पाकिस्तान की सियासत में दबदबा है। उनकी बेटी बेनजीर भुट्टो भी पाकिस्तान की पीएम रहीं। उनके दामाद आसिफ जरदारी इस समय दूसरी बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं। भुट्टो के नवासे बिलावल पाकिस्तान के विदेश मंत्री रह चुके हैं।

म्यांमार के गृहयुद्ध में बांग्लादेशी सेना की होगी एंट्री अराकान आर्मी ने तेज किए हमले, अमेरिकी जनरल के दौरे पर क्या हुआ

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की सीमा से लगे म्यांमार के रखाइन राज्य में लड़ाई तेज होने ने बांग्लादेश की सेना के सामने असमंजस की स्थिति खड़ी कर दी है। रखाइन राज्य पर लगभग विद्रोही बल अराकान सेना का कब्जा हो चुका है, लेकिन उसे अभी भी सित्तेव समेत तीन प्रमुख शहरों में जुंटा बलों को हराने में मुश्किल हो रही है। इसके चलते अराकान आर्मी ने संघर्ष तेज कर दिया है। ऐसे में बांग्लादेश की सेना पर किसी भी प्रकार की सहायता या सहयोग देने का दबाव होगा। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि बांग्लादेश आर्मी चीफ ऐसा करने से कतरा रहे हैं। पिछले महीने के आखिर में अमेरिकी सेना के पैसिफिक डिप्टी कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वॉवेल ने बांग्लादेश का दौरा किया था और बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार उज-जमान से मुलाकात की थी। इस बैठक में जनरल जमान ने बांग्लादेश-म्यांमार सीमा के करीब महत्वपूर्ण आपूर्ति मार्गों को अराकान सेना के आक्रमण के लिए खुला रखने में अपने बल की सहायता की प्रतिबद्धता से परहेज किया था। इसके अलावा अमेरिकी के डेप्युटी एनएसए एलेक्स एन वोंग ने 2 अप्रैल को रोहिंग्या और प्राथमिकता वाले मुद्दे पर बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान से फोन पर बात की थी। यह ट्रंप प्रशासन और बांग्लादेश के अंतरिम प्राधिकरण के बीच अब तक का उच्चतम स्तर का संपर्क है। हालांकि, यह पता नहीं चला है कि वोंग और रहमान ने बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर रोहिंग्या के लिए सुरक्षित क्षेत्र के मुद्दे पर चर्चा की या नहीं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह अराकान सेना के लिए सप्लाई मार्गों को खुला रखने में मदद करने के लिए बांग्लादेश सेना पर दबाव डालने में अमेरिका की रुचि से जुड़ा था। अमेरिकी जनरल की ढाका यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रिपोर्ट हैं कि अराकान आर्मी रखाइन के तीन शहरों सित्तवे, क्योकफ्यू और मनौंग पर कब्जा करने के लिए बड़े सैन्य हमले की योजना बना रही है। इन शहरों पर अभी भी म्यांमार के सैन्य शासन का नियंत्रण है। अराकान आर्मी के हमले की स्थिति में सीमा के करीब स्थित बांग्लादेशी क्षेत्र प्रभावित होगा। इसके लिए सप्लाई लाइनों को खुला रखना होगा, जिसे बांग्लादेशी सेना से सुनिश्चित किया जा सकता है। लेकिन जनरल जमान पड़ोसी देश के संघर्ष में अपने बलों को उतारने को लेकर सतर्क है और उन्होंने ऐसी कोई भी प्रतिबद्धता से परहेज किया है।

तुर्की की हागिया सोफिया का वक्फ कनेक्शन, 1500 साल पुरानी भव्य इमारत कैसे चर्च से बनी मस्जिद

एजेंसी अंकारा

भारत सरकार वक्फ कानून में बड़ा बदलाव कर रही है। सरकार के वक्फ कानून में संसोधन वाले बिल को ससंद से मंजूरी भी मिल गई है। राष्ट्रपति की मुहर के बाद ये कानून की शक्ल ले लेगा। वक्फ बिल पर देशभर में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला है। ऐसे में दुनिया के दूसरे हिस्सों में वक्फ की भूमिका पर बहस छिड़ गई है। वक्फ से जुड़ा दिलचस्प इतिहास तुर्की के इस्तांबुल स्थित हागिया सोफिया का भी है। हागिया सोफिया ने अपने 1500 साल के इतिहास में कई बदलाव देखे हैं। ये इमारत मस्जिद, चर्च और म्यूजियम रह चुकी है। फिलहाल ये मस्जिद है और वक्फ की संपत्ति है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्तांबुल की ऐतिहासिक और भव्य हागिया सोफिया पहले चर्च थी, फिर मस्जिद बन गई। इसके बाद ये संग्रहालय बना और अब फिर से मस्जिद है। इसे इमारत को छठीं सदी में रोमन सम्राट जस्टिनियन-I ने बनवाया था, तब ये एक चर्च था। इसके बाद 1453 में ऑटोमन साम्राज्य ने इसे मस्जिद में बदल दिया। करीब 90 साल पहले 1934 में मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने इसे मस्जिद से संग्रहालय बना दिया। इसके बाद 2020 में इसे फिर मस्जिद में बदल दिया। तुर्की के सर्वोच्च न्यायालय, राज्य परिषद ने साल 2020 में हागिया सोफिया पर एक अहम फैसला दिया। कोर्ट ने 1934 के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत हागिया सोफिया को संग्रहालय में बदला गया था। हार्वर्ड लॉ रिव्यू के अनुसार, कोर्ट ने अपना फैसला इस आधार पर दिया कि यह वक्फ संपत्ति है। ऐसे में इसके स्वरूप को केवल खराब होने या कानून के उल्लंघन पर ही बदल सकते हैं। ऐसे में कोर्ट ने आदेश दिया कि हागिया सोफिया को मस्जिद रखा जाए। तुर्की की राज्य परिषद ने 10 जुलाई, 2020 को 1934 के फैसले को पलटते हुए कहा कि सुल्तान मेहमेद-II का बंदोबस्त कानूनी रूप से इसे एक मस्जिद बने रहने के लिए बाध्य करता है। कोर्ट के आदेश पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने हागिया सोफिया को मस्जिद में बदलने और इसे वक्फ संपत्ति के तौर पर प्रशासित करने की एक डिक्री पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद 24 जुलाई, 2020 को हागिया सोफिया में करीब 86 वर्षों के बाद नमाज हुई। तुर्की के निदेशालय जनरल ऑफ फाउंडेशंस ने कोर्ट के फैसले के बाद हागिया सोफिया को फातिह सुल्तान मेहमेद फाउंडेशन की संपत्ति के रूप में अपने नियंत्रण में ले लिया। निदेशालय जनरल ऑफ फाउंडेशंस की वेबसाइट कहती है कि वक्फ-अलल-औलाद इस्लामी कानून में एक धार्मिक बंदोबस्ती है।

सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर गुजरात ने लगाई जीत की हैट्रिक, पैट कमिंस की सेना को मिली चौथी हार

हैदराबाद, एजेंसी | राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से मात दी। टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जिसके बाद जीटी ने निर्धारित 16.4 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर बेहतरीन जीत अपने नाम की।

आईपीएल 2025 के 19वें मैच सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से मात दी। टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जिसके बाद जीटी ने निर्धारित 16.4 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर बेहतरीन जीत अपने नाम की। गुजरात की ये जीत की हैट्रिक है जबकि एसआरएच की ये लगातार चौथी हार है।

153 रनों का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत धीमी रही। जहां 15 रन के स्कोर पर टीम ने पहला विकेट गंवाया। साई सुदर्शन 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जोस बटलर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। वॉशिंगटन सुंदर 29 गेंद में 49 रन बनाकर आउट हुए। अनिकेत ने उनका शानदार कैच लपका। कप्तान शुभमन गिल 43 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में उन्होंने 9 चौके लगाए। रदरफोर्ड ने 16 गेंद में 35 रन का योगदान दिया और नॉटआउट रहे। हैदराबाद के लिए शमी ने दो और कमिंस ने एक विकेट लिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से नितीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को मोहम्मद सिराज ने पहला झटका दिया। सिराज ने ट्रेविस हेड को आउट किया। इस दौरान हेड 5 गेंद में 8 रन ही बना पाए। इसके बाद अभिषेक शर्मा को भी सिराज ने आउट किया जो 16 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 14 गेंद में 17 रन का योगदान दिया। हेनरिक क्लासेन ने नितीश के साथ 50 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 19 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हुए। नितीश रेड्डी ने 34 गेंद में 31 रन बनाए। कामिंदू एक ही रन बना सके। अनिकेत 14 गेंद में 18 और सिमरजीत बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं गुजरात की तरफ से सिराज ने 4 विकेट झटके।

आरसीबी के खिलाफ रोहित शर्मा खेलेंगे या नहीं ? हेड कोच ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी | रोहित शर्मा पर बड़ा अपडेट मिला है। रोहित आईपीएल 2025 में मुंबई के पिछले मैच में चोट के कारण से नहीं खेल पाए थे। रोहित को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आराम दिया गया था। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से है। रोहित इस मैच में खेल सकते हैं। मुंबई के हेड कोच महेला जयवर्धने ने रोहित के मामले पर अपडेट दिया है।

मुंबई इंडियंस के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा पर बड़ा अपडेट मिला है। रोहित आईपीएल 2025 में मुंबई के पिछले मैच में चोट के कारण से नहीं खेल पाए थे। रोहित को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आराम दिया गया था। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से है। रोहित इस मैच में खेल सकते हैं। मुंबई के हेड कोच महेला जयवर्धने ने रोहित के मामले पर अपडेट दिया है।

पत्रकार देवेंद्र पांडे ने एक्स पर इसे लेकर जानकारी दी। जहां मुंबई इंडियंस के हेड कोच जयवर्धने ने कहा कि, रोहित अच्छी कंडीशन में लग रहे हैं। वे प्रैक्टिस कर करेंगे। रोहित लखनऊ के खिलाफ नहीं खेल पाए ते। वे प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे। रोहित के घुटने में चोट लगी थी। लेकिन वे अब आरसीबी के खिलाफ मैदान पर उतर सकते हैं। मुंबई और आरसीबी का सोमवार को सामना होगा।

मुंबई की प्लेइंग इलेवन में अगर रोहित की वापसी हुई तो एक खिलाड़ी का पत्ता कट सकता है। मुंबई राज बावा या विल जैक्स को ब्रेक दे सकती है। विल जैक्स ने इस सीजन में अभी तक तीन मैच खेले हैं। लेकिन वे इस दौरान कुछ खास नहीं कर पाए हैं। जैक्स लखनऊ के खिलाफ भी महज 5 रन बनाकर आउट हो गए थे। हालांकि, अभी तक रोहित या टीम की प्लेइंग इलेवन के मामले पर किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

एमएस धोनी अब हीरो नहीं रहे, बन गए आईपीएल 2025 के सबसे बड़े विलेन; यूं पीछे पड़ा है रिटायरमेंट का भूत

एमएस धोनी ने IPL 2025 में चार मैचों में 76 रन बनाए हैं. मगर दो ऐसे मुकाबले हैं, जिनके कारण धोनी पर रिटायरमेंट का दबाव बन रहा है.

नई दिल्ली, एजेंसी | महेंद्र सिंह धोनी IPL के सबसे महानतम खिलाड़ी और कप्तानों में से एक भी हैं. वो पांच बार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जिता चुके हैं. आईपीएल 2024 में धोनी अपने तूफानी स्ट्राइक रेट से विरोधी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे थे. उन्होंने पिछले सीजन 220 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 161 रन बनाए थे. मगर IPL 2025 के दो ही मैचों ने एमएस धोनी को हीरो से विलेन बना दिया है.

एमएस धोनी बन गए विलेन

एमएस धोनी ने IPL 2025 में अभी तक चार मैचों में 76 रन बनाए हैं. उन्होंने टूर्नामेंट में CSK के चारों मैचों में बैटिंग की है और निरंतर अपनी टीम के लिए मैच फिनिश करने में नाकाम रहे हैं. खासतौर पर IPL 2025 के दो मैचों ने उन्हें सबसे बड़ा विलेन बना दिया है. इनमें पहला मैच RCB के खिलाफ रहा, जिसमें धोनी ने 16 गेंद में 30 रन बनाए थे. चेन्नई की टीम को बड़े लक्ष्य का पीछा करना था, ऐसे में धोनी नौवें क्रम पर बैटिंग करने आए थे. धोनी और CSK को इसलिए भी ट्रोल किया गया क्योंकि रविचंद्रन अश्विन को उनसे ऊपर बैटिंग करने भेजा गया था. नतीजन CSK को उस मैच में 50 रनों से हार मिली थी.

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में धोनी को बहुत धीमी पारी के कारण ट्रोल होना पड़ा. धोनी दिल्ली के खिलाफ मैच में 11वें ओवर में ही बैटिंग करने आ गए थे, दूसरे छोर पर विजय शंकर क्रीज पर सेट हो चुके थे. एक तरफ शंकर ने केवल 128 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 69 रन बनाए. वहीं धोनी ने 115 के धीमे स्ट्राइक से 30 रन बनाए थे. सामने 184 रनों का लक्ष्य था, फिर भी धोनी का तेज बैटिंग ना करना, CSK की हार का बड़ा कारण बना.

धोनी पर रिटायरमेंट का दबाव

धोनी को दुनिया के बेस्ट फिनिशरों में से एक माना जाता है. अब तक उन्होंने IPL 2025 में चारों मैचों में बैटिंग की है, लेकिन दुनिया का बेस्ट फिनिशर होते हुए भी वो CSK को जीत दिलाने में नाकाम रहे हैं. निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने और धीमे स्ट्राइक रेट से बैटिंग के कारण रिटायरमेंट का भूत 'थाला' के पीछे पड़ गया है.

मुक्केबाजी विश्व कप में भारत का अभियान समाप्त, भारतीय मुक्केबाजों ने जीते 6 पदक

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय मुक्केबाजों ने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें हितेश द्वारा जीता गया गोल्ड पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था।

भारत का ब्राजील के फोड डू इगुआकू में आयोजित वर्ल्ड कप अभियान 6 पदकों के साथ समाप्त हुआ। भारतीय मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें हितेश द्वारा जीता गया गोल्ड पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था।

हितेश ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड अपने नाम किया और वह विश्व मुक्केबाजी कप में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए। दरअसल, उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारतीय मुक्केबाज अभिनाश जामवाल ने भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन स्थानीय दावेदार यूरी रेइस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हितेश ने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय टूर्नामेंट से पहले ब्राजील में आयोजित 10 दिवसीय तैयारी शिविर को दिया जिससे उन्हें और टीम को बहुत मदद मिली। हितेश ने कहा कि, शिविर ने मुझे कुछ रणनीतिक बारीकियां सीखने में मदद की जिससे मुझे प्रतियोगिता में बहुत मदद मिली। इस टूर्नामेंट ने हमें उच्चतम स्तर का अनुभव प्रदान किया और मुझे खुशी है कि मैं गोल्ड मेडल जीत सका।

विनीसियस के पेनल्टी चूक जाने से रियाल मैड्रिड की हार का पूरा फायदा नहीं उठा सका बार्सिलोना

नई दिल्ली, एजेंसी | विनीसियस जूनियर पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए जिससे बार्सिलोना स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान पर वालेंसिया के हाथों 2-1 से मिली हार का पूरा फायदा नहीं उठा पाया।।

रियाल मैड्रिड के लिए राहत की बात यह रही कि दिल तोड़ने वाली इस हार के कुछ घंटे बाद बार्सिलोना को रियाल बेटिस ने उसके घरेलू मैदान पर 1-1 से बराबरी पर रोक दिया।

बार्सिलोना के पास ला लिगा की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत करने का सुनहरा मौका था लेकिन रियाल बेटिस के गोलकीपर जियोर्गी ममार्दशविली ने विनीसियस को शुरू में मिली पेनल्टी पर गोल नहीं करने दिया।

इसके बाद 17वें मिनट में मोक्टार डायखाबी ने रियाल बेटिस को आगे कर दिया। विनीसियस ने 50वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इस मैच के ड्रॉ छूटने से बार्सिलोना के 30 मैच में 67 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर चार अंक की बढ़त हासिल कर ली है। रियाल मैड्रिड के 30 मैच में 63 अंक हैं। प्रतियोगिता में अभी आठ दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

व्यापार

अनंत अंबानी की पत्नी का 140 किलोमीटर की पदयात्रा को लेकर कह दी ये बड़ी बात

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी जुलाई 2024 में बेहद धूमधाम से हुई थी. यह शादी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खियों में रही.

नई दिल्ली, एजेंसी | जामनगर से द्वारकाधीश मंदिर तक की 140 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पूरी कर अनंत अंबानी सुर्खियों में बने हुए हैं. राम नवमी के पावन अवसर पर उन्होंने भगवान द्वारकाधीश के दर्शन कर अपनी यह यात्रा पूरी की. यह यात्रा अनंत अंबानी के लिए न केवल आध्यात्मिक बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी बेहद खास रही, क्योंकि यह उनके 30वें जन्मदिन के दिन पूरी हुई. इस मौके पर उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट और मां नीता अंबानी भी उनके साथ मौजूद थीं.

पत्नी राधिका मर्चेंट ने कही ये बात

इस खास मौके पर राधिका मर्चेंट ने जो कहा, वह अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है. उन्होंने अनंत की इस यात्रा को लेकर कहा, 'अनंत की यह बहुत पुरानी इच्छा थी कि वो हमारे घर जामनगर से द्वारकाधीश की पदयात्रा करें. आज उनका 30वां जन्मदिन है और मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हूं कि उन्होंने यह यात्रा पूरी की. मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया.' राधिका की इस बात पर पीछे खड़े अनंत अंबानी मुस्कुराते नजर आए और उनका यह रिएक्शन इंटरनेट पर खूब सराहा जा रहा है.

अनंत अंबानी ने क्या कहा?

वहीं अनंत अंबानी ने भी अपनी पदयात्रा पूरी होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'जय द्वारकाधीश. आज राम नवमी के अवसर पर मेरी दस दिन की पदयात्रा पूरी हुई. मैंने भगवान द्वारकाधीश के दर्शन किए और यही मेरी सबसे बड़ी खुशी है. मेरी मां और पत्नी आज मेरे साथ रहीं और जब मैंने अपने पिता को इस यात्रा के बारे में बताया, तो उन्होंने भी मुझे खूब हौसला दिया.'

बता दें कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी जुलाई 2024 में बेहद धूमधाम से हुई थी. यह शादी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खियों में रही. बॉलीवुड से लेकर अंतरराष्ट्रीय सेलेब्स तक, इस रॉयल वेडिंग में शामिल हुए थे. अनंत की यह आध्यात्मिक यात्रा और राधिका का भावुक संदेश सोशल मीडिया पर लोगों के दिलों को छू रहा है. यूजर्स उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनकी इस आस्था व समर्पण की सराहना कर रहे हैं.

आरबीआई की नई मॉनेटरी पॉलिसी पर सबकी निगाहें, क्या फिर सस्ती होगी EMI? जानिए 9 अप्रैल को क्या हो सकता है बड़ा ऐलान

RBI का महंगाई नियंत्रण का टारगेट 2 फीसदी से 6 फीसदी के बीच होता है और फिलहाल भारत इस बैंड में बना हुआ है. इसका मतलब ये हुआ कि अब RBI का फोकस ग्रोथ को बूस्ट करने पर रहेगा.

नई दिल्ली, एजेंसी | वित्त वर्ष 2025-26 की पहली बड़ी आर्थिक हलचल शुरू होने वाली है. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सोमवार, 7 अप्रैल से अपनी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक शुरू करने जा रहा है. और इसका फाइनल फैसला बुधवार, 9 अप्रैल सुबह 10 बजे सामने आएगा. अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें आम आदमी के लिए क्या खास है? चलिए, आसान भाषा में समझते हैं कि इस मीटिंग से आपके लिए फायदे की क्या चीज निकलने वाली है.

क्या सस्ते होंगे आपके लोन? - फरवरी 2025 में RBI ने एक बड़ा कदम उठाया था, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती, यानी रेपो रेट 6.5 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया गया था. ये करीब पांच सालों बाद पहली बार हुआ था. ऐसे में अब उम्मीद है कि इस बार भी RBI 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है. यानी लोन लेना और सस्ता हो सकता है. आसान भाषा में समझाएं तो EMI में कुछ राहत मिल सकती है. फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, Bank of Baroda जैसी संस्थाओं का कहना है कि पूरे साल में कुल मिलाकर 0.75 फीसदी की कटौती देखी जा सकती है.

रेपो रेट क्या होता है? - आसान भाषा में समझें तो रेपो रेट वो दर होती है जिस पर RBI बैंकों को लोन देता है. जब ये रेट घटता है, तो बैंक भी सस्ते रेट पर लोगों को लोन देने लगते हैं, जिससे EMI कम हो जाती है और बाजार में खर्च बढ़ता है.

महंगाई काबू में है, अब बारी ग्रोथ की - RBI का महंगाई नियंत्रण का टारगेट 2 फीसदी से 6 फीसदी के बीच होता है और फिलहाल भारत इस बैंड में बना हुआ है. इसका मतलब ये हुआ कि अब RBI का फोकस ग्रोथ को बूस्ट करने पर रहेगा. छोटे बिजनेस, स्टार्टअप्स और आम जनता के लिए ये राहत की खबर हो सकती है.

दुनिया के घटनाक्रम में भारत को फायदा कैसे? - दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 देशों पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं. ये टैरिफ 11 फीसदी से 49 फीसदी तक होंगे और 9 अप्रैल से लागू हो जाएंगे. वहीं, ठीक उसी दिन RBI अपनी पॉलिसी का एलान करेगा.

अब ये भारत के लिए मौका बन सकता है. चीन, वियतनाम, बांग्लादेश जैसे देश अगर अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाते हैं, तो भारतीय निर्यातकों के लिए वहां जगह बन सकती है. यानी हमारे एक्सपोर्टर्स को मिल सकता है नया विंडो ऑफ अपॉर्च्युनिटी.

तो अब क्या देखना है? - दरअसल, ऐसे में सवाल ये है कि RBI कैसे संतुलन बनाएगा. यानी एक तरफ घरेलू विकास की जरूरतें, दूसरी तरफ ग्लोबल ट्रेड का बदलता माहौल. अब ऐसे में ये सवाल बड़ा है कि क्या फिर से रेट कट होगा? क्या होम लोन सस्ती होंगी और क्या ऑटो लोन की EMI में भी राहत मिलेगी. इसके अलावा, सवाल ये भी है कि क्या MSME सेक्टर को RBI की तरफ से नए वित्तवर्ष में बूस्ट मिलेगा? इन सभी सवालों का जवाब 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे मिलेगा.

क्यों अमेरिका में शॉपिंग करने की अचानक से मची होड़? हर स्टोर-मॉल पर जुटी लोगों की भीड़

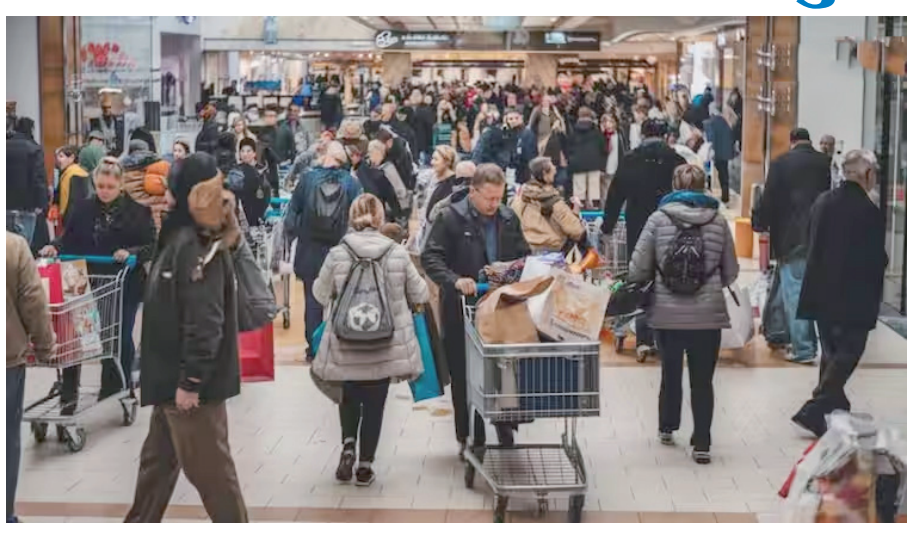

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिका में इन दिनों टीवी, फ्रीज, लैपटॉप से लेकर नमक-मिर्च तक खरीदने की होड़ मची हुई है. लोग चीजों की कीमतें संभावित रूप से बढ़ने से पहले इन्हें खरीदकर स्टोर कर रहे हैं.

अमेरिका में इन दिनों शॉपिंग करने की जबरदस्त होड़ मची हुई है. फर्नीचर से लेकर अप्लायंसेस और शराब तक की जमकर खरीदारी की जा रही है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से घबराए लोगों के मन में महंगाई का डर समा गया है इसलिए संभावित रूप से कीमतें बढ़ने से पहले ही चीजें खरीदकर लोग स्टोर करने में जुटे हुए हैं. अर्थशास्त्रियों का भी यह मानना है कि टैरिफ से रोजमर्रा की चीजों की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है. कुछ इकोनॉमिस्ट्स ऐसे भी हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने की भी आशंका जता रहे हैं.

अमेरिका में शॉपिंग की मची होड़ 9 ट्रंप के टैरिफ का ही असर है कि मार्च में ऑटोमोबाइल सेक्टर में जबरदस्त उछाल आया. गाड़ियों की बिक्री 11.3 परसेंट तक बढ़ गईं क्योंकि ट्रंप ने जैसे ही विदेशी वाहनों और ऑटो पार्ट्स पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने की घोषणा की, तो लोगों की भीड़ डीलरशिप पर उमड़ पड़ी. यह टैरिफ 3 अप्रैल से लागू हो चुका है.

न्यूयॉर्क के क्वींस में रहने वाले 50 साल के नोएल पेगुएरो ने कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते कार के पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक और बागवानी से जुड़ी चीजों पर लगभग 3,500 डॉलर खर्च किए. उन्होंने अपने बेटे के लिए 40 इंच का हिसेंस टेलीविजन और मैकबुक लैपटॉप भी खरीदा. एबीसी न्यूज से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''इन चीजों को खरीदने का प्लान उनका काफी लंबे समय से था, लेकिन कहीं आगे अचानक से कीमत बढ़ न जाएं इसलिए उन्होंने चीजें अभी खरीदने का फैसला लिया.''

पहले बेसलाइन, अब रेसिप्रोकल - एक्सपर्ट्स का ऐसा मानना है कि कुछ चीजें खरीदकर रखने में भले ही समझदारी है, लेकिन ज्यादा स्टॉक भरने के चक्कर में कर्ज से बचे रहना भी जरूरी है. बता दें कि अमेरिका ने सभी देशों के आयातों पर 10 परसेंट का बेसलाइन टैरिफ लगाया है. इसके अलावा, अमेरिका ने 60 से ज्यादा अपने ट्रेडिंग पार्टनर्स पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का भी ऐलान कर दिया है, जो 9 अप्रैल से लागू होने जा रहा है.

मां दुर्गा से मांस-मदिरा मांगने वाले भैरो को क्यों कन्या पूजन में बैठाकर खिलाई जाती है हलवा-पूड़ी

नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। अष्टमी और नवमी तिथि पर नवरात्रि व्रत करने वाले भक्त कन्या पूजन करते हैं। इसमें 9 कन्याएं बैठाई जाती हैं। इनका मां दुर्गा के 9 स्वरूपों के रूप में पूजन किया जाता है। इन 9 कन्याओं के साथ एक लड़के को भी बैठाया जाता है। इसे लंगूरा, लांगुरिया, बटुक कहा जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में कन्या पूजन के दौरान लड़के को बैठाने के लिए अलग-अलग मान्यताएं हैं। कई जगहों पर कन्या पूजन के दौरान हनुमानजी के रूप में लंगूरा या लांगुरिया बैठाया जाता है। वहीं कुछ जगहों पर बटुक के तौर पर शिवजी के रूप भैरव बाबा की पूजा होती है। इसी तरह कन्या पूजन के दौरान भैरोनाथ के रूप में भी लड़का बैठाने का महत्व है। भैरोनाथ को भी हलवा-पूड़ी का भोग लगाया जाता है। आइए जानते हैं कन्या पूजन के दौरान लड़का बैठाना का क्या महत्व है। व्यापक तौर पर कन्याओं के साथ बैठाए जाने वाले बालक को भैरोनाथ का रूप माना जाता है। मान्यता है कि वैष्णो देवी के दर्शन करने के बाद भैरोनाथ के दर्शन करने अनिवार्य हैं, वरना मां के दर्शन अधूरे माने जाते हैं। ठीक इसी प्रकार कन्या पूजन में लड़के को भैरो के तौर पर बैठाया जाता है। इसके बाद ही कन्या पूजन पूरा माना जाता है। वहीं भगवान शिव के रूप भैरव बाबा को कन्या पूजन में बैठाने का महत्व यह है कि उनको मुख्य रक्षक माना जाता है, जिन्हें मां दुर्गा के अंगरक्षक या सेनापति के रूप में पूजा जाता है। शक्ति की उपासना के समय भैरव बाबा की उपस्थिति अनिवार्य होती है। इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि 'शक्त्याः पूजनं या विना भैरव पूजनं, तस्य फल न लभ्यते' यानी अगर शक्ति की पूजा में भैरव की पूजा नहीं की जाती है तो पूजा का फल अधूरा रह जाता है। इसके अलावा तंत्र विद्या में देवी के पूजन के दौरान भैरव का आह्वान जरूरी माना गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से पूजा सफल होती है और किसी प्रकार की बाधा नहीं आती है। भैरोनाथ की पूजा के बिना मां दुर्गा का पूजन क्यों अधूरा रहता है, इसके पीछे एक कथा है। कहा जाता है कि कटरा के पास एक गांव में माता के भक्त श्रीधर रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। वह एक बार नवरात्रि में कन्या पूजन कर रहे थे। मां वैष्णो भी कन्या के वेष में आकर वहां बैठ गईं। इसके बाद मां ने श्रीधर से पूरे गांव में भंडारा करने को कहा। इसमें ग्रामीण से लेकर बाबा भैरोनाथ भी पहुंचे। जब भंडारा परोसा जा रहा था तब भैरोनाथ ने कन्या से कहा कि वह मांस और मदिरा खाएंगे। मां ने उन्हें समझाया लेकिन वह नहीं माने, क्योंकि उन्हें पता था कि कन्या के रूप में माता है और उन्हें मां के हाथों मोक्ष मिल जाएगा। माता उनकी चाल समझ गईं। इसके बाद मां त्रिकुटा पर्वत की तरफ चली गईं। भैरोनाथ उनके पीछे-पीछे चले गए। यहां मां ने एक गुफा में 9 महीने तक तप किया। जब भैरोनाथ वहां पहुंचे तो मां ने गुफा के दूसरे तरफ से रास्ता बनाया जिसे अर्धकुमारी या गर्भजून के नाम से जाना जाता है। मां जब गुफा के दूसरी तरफ से निकलीं तब भी भैरोनाथ वहां आ गए और माता की चेतावनी के बाद भी नहीं माने। तब मां की गुफा के बाहर मौजूद हनुमान जी और भैरोनाथ के बीच युद्ध हुआ। लेकिन जब उसका कोई परिणाम नहीं निकला तो मां ने महाकाली का रूप धारण कर भैरोनाथ का वध किया। भैरोनाथ का सिर करीब 8 किमी दूर घाटी में जा गिरा। इसे भैरो घाटी के नाम से जाना जाता है। तब भैरोनाथ ने माता से माफी मांगी। मां उनकी मंशा जानती थीं इसलिए उन्हें माफ करते हुए वर दिया कि मेरे दर्शन के बाद तुम्हारे दर्शन अनिवार्य होंगे। इसके बाद से मां के दर्शन के बाद भैरोनाथ के दर्शन किए जाते हैं और मां के पूजन के बाद उनका पूजन होता है।

नवरात्रि के सातवें दिन माता कालरात्रि की पूजा का महत्व, पूजा विधि और भोग

आज नवरात्रि का सातवां दिन है, जिसे महासप्तमी भी कहते हैं। इस दिन मां कालरात्रि की पूजा होती है। माना जाता है कि मां कालरात्रि दुर्गा मां के नौ रूपों में सबसे ज्यादा गुस्से वाली हैं। जब धरती पर पाप बढ़ जाता है, तब वे पापियों को खत्म करने के लिए अवतार लेती हैं। उन्हें अंधकार को मिटाने वाली देवी भी कहा जाता है। जो भक्त उनकी पूजा करते हैं, उन पर मां कालरात्रि हमेशा दयालु रहती हैं और उन्हें अकाल मृत्यु का डर नहीं रहता। आइए, जानते हैं कि नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा कैसे करें, उन्हें क्या भोग लगाएं और इस दिन का क्या महत्व है। नवरात्रि में सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा का महत्व है। उनका नाम 'कालरात्रि' है, जिसका अर्थ है 'अंधेरी रात'. यह नाम उनके भयानक रूप को दर्शाता है। जब मां कालरात्रि क्रोधित होती हैं, तो उनका रूप बहुत विकराल हो जाता है। मां कालरात्रि का रंग काला होता है। उनके बाल खुले और बिखरे हुए होते हैं। यह रूप अंधकार का प्रतीक है। उनके गले में मुंड माला होती है, जो बिजली की तरह चमकती है। मां कालरात्रि बुरी शक्तियों को नष्ट करती हैं। वे अपने भक्तों की रक्षा करती हैं। भले ही उनका रूप अंधेरे में भयानक दिखता है, लेकिन उनके आने से दुष्टों का नाश होता है। चारों तरफ प्रकाश फैल जाता है। कालरात्रि की कृपा से भक्तों के भीतर से हर तरह का डर खत्म होता जाता है। कालरात्रि के भक्त निडर बनते हैं और किसी भी परेशानी से नहीं डरते हैं। कालरात्रि की कृपा से भक्तों के सभी शत्रुओं का नाश होता है और वे विजय पथ पर आगे बढ़ते रहते हैं। इसका मतलब है कि माता कालरात्रि अपने भक्तों को हमेशा सुरक्षित रखती हैं। पूजा करने के लिए सुबह जल्दी उठें। स्नान करके साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा की तैयारी करें। एक चौकी सजाएं. माता कालरात्रि की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें। तस्वीर पर काले रंग की चुन्नी चढ़ाएं। इसके बाद माता को रोली, अक्षत, दीप और धूप दिखाएं. माता कालरात्रि को रात रानी का फूल बहुत पसंद है इसलिए उन्हें यह फूल जरूर चढ़ाएं। गुड़ या गुड़ से बनी मिठाई का भोग लगाएं। पूजा के अंत में माता कालरात्रि का पाठ करें। दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं। माता कालरात्रि को गुड़ और गुड़ से बनी चीजें पसंद हैं। इसका कारण यह है कि माता कालरात्रि का स्वभाव बहुत ही क्रोधी है। क्रोध की उष्मा को शीतलता में बदलने के लिए मीठे आहार की आवश्यकता होती हैं। इस कारण से माता कालरात्रि को मालपुए का भोग भी लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे माता कालरात्रि प्रसन्न होती हैं और कृपा बरसाती हैं।

केतु का गोचर, अगले 48 दिनों तक सतर्क रहें सिंह सहित इन 5 राशियों के लोग, केतु बना है कंटक

केतु का गोचर इस समय कन्या राशि में हो रहा है और संवत के आरंभ से अब 18 मई तक केतु कन्या राशि में गोचर करेंगे इसके उपरांत केतु सिंह राशि में प्रवेश कर जाएगे। लेकिन इस समय शनि की स्थिति में बदलाव और मीन राशि में कई ग्रहों की युति होने से केतु का सभी राशियों पर अलग-अलग प्रभाव दिखेगा। लेकिन सिंह समेत 5 राशियों के लिए केतु का गोचर कष्टकारी और कंटक के समान रहेगा। तो आइए जानते हैं केतु की प्रतिकूलता से सिंह समेत इन राशियों को क्या फल मिलने वाला है। इस अवधि में आपके खर्चे काफी ज्यादा रहने वाले हैं। आपको इस दौरान बहुत ही संभलकर निवेश करना चाहिए। क्योंकि, आपको अचानक धन हानि होने की संभावनाएं हैं। आपको पारिवारिक मामलों में भी काफी उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौराहो सकता है कि आपको अपनों का सहयोग न मिल पाए। जिस वजह से आप थोड़ा असहाय महसूस कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को भी कार्यस्थल पर कुछ न कुछ संघर्ष करना पड़ सकता है। केतु आपके सभी कार्यों में बाधा डालने वाले हैं। आपके बने बनाए काम अचानक से रुक सकते हैं। साथ ही आपको कार्यों में काफी रुकावटों का सामना भी करना पड़ सकता है। इस दौरान आपकी आय कम और खर्चे काफी ज्यादा रहेंगे। साथ ही आपको सेहत को लेकर भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको क्रोध अधिक आ सकता है इसलिए खुद पर थोड़ा काबू रखें। केतु के प्रभाव से तुला राशि के लोगों को अपने शत्रुओं से भय रहेगा। तनाव के कारण आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। आपके शत्रु आप पर हावी हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को इस दौरान कामकाज में थोड़ा सावधानी बरतनी होगी। साथ ही खुद पर क्रोध को हावी न होने दें। आपको इस दौरान क्रोध अधिक आ सकता है। केतु के प्रभाव से धनु राशि के जातकों के साथ अपने भी पराये जैसा व्यवहार करेंगे। आपको किसी का साथ इस दौरान नहीं मिलेगा। साथ ही आपके खर्चे भी काफी बढ़ सकते हैं। आपको स्वास्थ्य पर काफी पैसा

खर्च करना पड़ सकता है। किसी न किसी बात को लेकर आप उलझन में रहेंगे। आपको इस दौरान निर्णय लेने में थोड़ा उलझन हो सकती है। केतु मकर राशि के जातकों को काफी संघर्ष कराने वाले हैं। आपको सफलता पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। वाहन आदि पर आपको काफी पैसा खर्च होगा। साथ ही आपको अपनी मेहनत के हिसाब से लाभ नहीं मिल पाएगा। आपको इस दौरान कम ही आराम मिलेगा। वाहन का प्रयोग थोड़ा संभलकर करें दुर्घटना होने की आशंका है।

आर्थिक राशिफल : बुधादित्य योग में शनि की कृपा से इन 5 राशियों को होगी धन की प्राप्ति

मेष राशि के जातकों का दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ दे रहा है। आपकी धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में मनचाहा लाभ होने से आपको खुशी होगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव हो सकते हैं और आपके साथी इससे घबरा सकते हैं। आप परोपकार के कार्यों में व्यस्त रहेंगे और अच्छे व्यवहार से आपको लाभ होगा। माहौल को सामान्य बनाने में सफल रहेंगे और आपक रात में जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब होने से कुछ परेशानी हो सकती है।
वृषभ राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा होगा और आप परिवार के लोगों के साथ अपनी किसी बड़ी सफलता का जश्न मनाएंगे। आपके धन में वृद्धि होगी और अचानक से कोई रुका कार्य पूर्ण होने से आपको खुशी होगी। दोपहर तक आपको शुभ समाचार मिल सकता है और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। शाम के वक्त को किसी खास मेहमान के आने से आपको खुशी होगी और रात में आपको अचानक से किसी जरूरी काम से बाहर जाना पड़ सकता है। आपका सम्मान बढ़ेगा।
मिथुन राशि वालों का दिन शुभ है और आपको पिता के आशीर्वाद और अधिकारियों की कृपा से कोई मूल्यवान वस्तु या संपत्ति मिल सकती है। आप अपने काम में काफी व्यस्त रहेंगे, फिजूलखर्ची से बचें और अपने काम पर फोकस करें। शाम से रात तक गाड़ी चलाते समय सावधानी बरतें और हर प्रकार की बात से बेफिक्र होकर अपने काम पर फोकस करें। महान लोगों से मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा और आपको हर प्रकार की सफलता प्राप्त हो सकती है।
कर्क राशि के जातकों के लिए दिन बहुत अच्छा है और आपके लिए अचानक से धन लाभ के योग बनने से आपको खुशी होगा। आपको कहीं से अचानक से रुका पैसा आने से खुशी होगी और आप इस धन का सही उपयोग अपने कार्य के लिए कर पाएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपकी व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। आपका मान सम्मान बढ़ेगा और रुके कार्य पूर्ण होने से आपका मन काफी खुश होगा। जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें।
सिंह राशि वालों को राजनीतिक क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त होगी और कारोबार में मान सम्मान मिलने से आपको काफी खुशी होगी। संतान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे और किसी प्रतियोगिता में आपको सफलता प्राप्त होगी। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे और धन संबंधी मामलों में आपको लाभ होगा। आंखों में दिक्कत हो सकती है, सावधान रहें और लापरवाही करने से बचें। खान-पान का ध्यान रखें।
कन्या राशि वालों के लिए दिन लाभ से भरा होगा और आपको अपने कार्य में तेजी लाने से खुशी का अनुभव होगा। अपने कार्यों में तेजी लाने से लाभ होगा और परिवार के साथ ही रिश्तेदारों से सुख मिलेगा। आप रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे और विपरीत परिस्थिति आने पर गुस्से पर काबू रखें। आपकी कई समस्याओं का समाधान एक साथ हो जाएगा और आपको धन से संबंधित मामलों में लाभ होगा। आपको सरकारी मदद भी मिल सकती है और सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने की संभावना है।
तुला राशि वालों के लिए शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने की संभावना है और आपके लिए आय के नए स्त्रोत बनेंगे। आपकी बोलने की क्षमता का आपको लाभ होगा और आपको हर कार्य में सम्मान की प्राप्ति होगी। अधिक भागदौड़ आपकी सेहत को प्रभावित कर सकती है। सावधान रहें। आपको आपके घर में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी यात्रा सुखद और लाभदायक रहेगी।
वृश्चिक राशि वालों को लाभ होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और अचानक से कहीं से रुका पैसा आने से आपको खुशी होगी। यश में वृद्धि होगी। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे और प्रियजनों से मुलाकात होगी। वाणी पर नियंत्रण करें और अपने काम पर फोकस करें। आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। शाम का वक्त परिवार के लोगों के साथ आनंद में बीतेगा। रात में घूमने-फिरने का मौका मिलेगा।
धनु राशि वालों को लाभ होगा और आपका कुछ पैसा घर के जरूरी सामान पर खर्च होगा। सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी और आपके धन में वृद्धि होने से काफी खुशी होगी। किसी कर्मचारी या रिश्तेदार के कारण तनाव बढ़ सकता है। पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, वरना आपका धन फंस सकता है। आपको जरूरी काम से सरकारी काम के लिए कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं, लेकिन अंत में आपकी जीत होगी। आपके खिलाफ साजिशें विफल होंगी।
मकर राशि वालों को व्यवसाय में मनचाहा लाभ मिलेगा और आपकी धन से जुड़ी सभी योजनाएं सफल होंगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी और आपको कई प्रकार के बदलाव एक साथ करने पड़ सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और आप पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। आप धार्मिक स्थानों पर जाने के बारे में सोच सकते हैं। लेकिन यह स्थगित हो जाएगा। गाड़ी चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि गाड़ी खराब होने से आपका खर्च बढ़ सकता है।
कुंभ राशि के जातकों के लिए दिन थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है और आपको अचानक से काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है। आपका खर्च भी बढ़ सकता है और आपको धन संपत्ति के मामले में लाभ होगा। खर्च काफी सोचकर करें, वरना आपको नुकसान हो सकता है। कानूनी पहलुओं पर ध्यान से विचार करें। शाम के वक्त परिवार के लोगों के साथ वक्त बीतेगा और आपका मन कहीं घूमने जाने का भी करेगा। पूरी तरह से ठीक होने में समय लगेगा।
मीन राशि वालों का वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा और आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा। आप किसी काम से यात्रा कर सकते हैं और आपके लिए बिजनस में तरक्की के योग बन रहे हैं। आपको खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी और शाम का वक्त आपका परिवार के लोगों के साथ मौज मस्ती में बीतेगा। आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है और इससे आपके दिमाग को काफी शांति मिलेगी। माता-पिता की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

साल में दो बार मनाते हैं हनुमानजी का जन्मदिवस

हनुमान जयंती हनुमान जी के भक्तों के लिए विशेष रूप से महत्व रखता है। हर साल, हनुमान जी का जन्मदिन दो बार मनाया जाता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, एक बार कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को, जिसे हनुमान जन्मोत्सव कहते हैं। दूसरी बार चैत्र महीने की पूर्णिमा को, जिसे हनुमान जयंती कहते हैं। इस साल चैत्र महीने में हनुमान जयंती 12 अप्रैल को मनाई जाएगी। हनुमान जयंती दो बार मनाने के पीछे मुख्य रूप से दो कारण बताए जाते हैं। आइए, विस्तार से जानते हैं हनुमान जयंती दो बार क्यों मनाते हैं। दक्षिण भारत में हनुमान जयंती चैत्र पूर्णिमा के दिन हनुमान जी का जन्मदिन मनाया जाता है। दक्षिण भारत के मत अनुसार चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जी को नया जन्म मिला था, इसलिए फिर से जीवन प्राप्ति के साथ अद्भुत शक्तियां पाने के उपलक्ष्य में हनुमान जयंती इसी दिन मनाई जाती है। जबकि उत्तर भारत के मतानुसार कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हनुमान जयंती मनाते हैं। इस साल कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 19

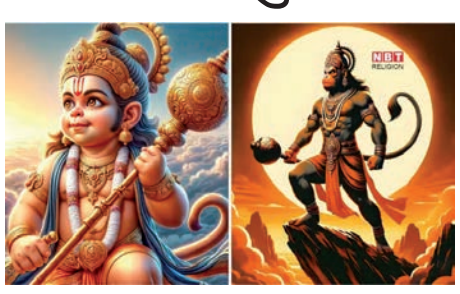

अक्टूबर को है, इसलिए इस दिन भी हनुमान जयंती मनाई जाएगी। हनुमान जी की दो जयंती मनाई जाती हैं। एक उनके जन्मदिन के रूप में और दूसरी विजय अभिनन्दन महोत्सव के रूप में। हनुमानजी जन्म से ही शक्तिशाली थे। उन्होंने एक बार सूर्य को फल समझकर खाने की कोशिश की। इंद्र ने उन्हें रोकने के लिए प्रहार किया जिससे वे मूर्छित हो गए। हनुमानजी को पवन पुत्र भी माना जाता है। इससे पवनदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने हवा रोक दी। फिर पूरे ब्रह्मांड में संकट आ गया। देवताओं की प्रार्थना के बाद ब्रह्मा जी ने हनुमान जी को दूसरा जीवन दिया। देवताओं ने उन्हें अपनी शक्तियां भी दीं। जिस दिन हनुमान जी को दूसरा जीवन मिला, वह चैत्र मास की पूर्णिमा थी इसलिए इस दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। वहीं, पौराणिक कहानियों के अनुसार माता सीता और श्रीराम ने हनुमानजी को चिरंजीवी होने का वरदान दिया था, इसलिए हनुमान जयंती कार्तिक माह में भी मनाई जाती हैं।

सूरा प्रेमियो के सेहत से खिलवाड़

कटनी में संचालित किसी भी शराब दुकान के पास नहीं फूड सेफ्टी लाइसेंस

» जिम्मेदार अधिकारियों व संबंधित विभागों को इस विषय में जानकारी है. लेकिन फिर भी बेपरवाह

कटनी - मोहन सरकार द्वारा 17 शहरों में शराबबंदी को लेकर जनचर्चाएं जारी हैं, वहीं नए स्थानों पर शराब दुकानों को खोले जाने को लेकर होने वाले विरोध अखबारों की सुर्खियां बटोर रहे हैं. लेकिन इस तमाम झंझावत के मध्य सूराप्रेमियों के साथ सरकारी स्तर पर खिलवाड किया जा रहा है. लेकिन विषय को लगतार नजरअंदाज किया जा रहा है. जबकि जिम्मेदार अधिकारियों व संबंधित विभागों को इस विषय में जानकारी है. उसके बाद भी सूराप्रेमियों के सेहत को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है. दरअसल, केवल कटनी जिले के संदर्भ में बात करें, तो कटनी जिले में 63 शराब दुकाने हैं।

जो आबकारी विभाग के अधिन सरकारी अनुमति से लाइसेंस के माध्यम से संचालित हो रही हैं. अब दूसरी ओर नियमों की बात करें, तो शराब को भी खाद्य पदार्थ माना गया है. जिसके चलते इसे भी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया— एफएसएसएआई के मानकों के अधीन रखा गया है. जिसका आशय साफ है कि इन शराब दुकानों को एफएसएसएआई का लाइसेंस लेना चाहिए और समय समय पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम द्वारा इनका सैंपल लेकर जांच तक करना चाहिए. लेकिन हैरान करने की बात ये है कि कटनी जिले में संचालित किसी भी शराब दुकान ने एफएसएसएआई का लाइसेंस नहीं लिया है.

300 करोड की कमाई, लेकिन जिम्मेदारी किसी पर नहीं

कटनी जिले में शराब दुकानों के माध्यम से सरकारी खजाने में हर साल करीब 300 करोड का राजस्व जाता है. लेकिन कभी शराब पीने से किसी व्यक्ति का जीवन संकट में पडता है, तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाएगा. कारण है कि संबंधित दुकान संचालकों ने एफएसएसएआई का लाइसेंस ही नहीं ले रखे हैं. लिहाजा उसके मापदंडों को मानने की बात ही दूर है. इस तरह कमाई की चिंता की जा रही है, लेकिन जिम्मेदारी को लेकर चुप्पी है.

केवल दो बार के पास लाइसेंस– जहां जिले में संचालित किसी भी शराब दुकान के पास फूड सेफ्टी का लाइसेंस नहीं है. वहीं दो वियर बार ऐसे हैं, जिन्होंने एफएसएसएआई का लाइसेंस ले रखा है. इसमें एक माधवनगर स्थित अंबी वाइन शॉप है और दूसरा खिरहनी रोड पर स्काई लार्क बार है. उल्लेखनीय है कि जिले में एक दर्जन से ज्यादा बियर बार संचालित हो रहे हैं. लेकिन इनके पास भी लाइसेंस नहीं है.

बेमानी खाद्य सुरक्षा आयुक्त का आदेश– इस मामले में चौकाने वाला तथ्य ये है कि जिले के अधिकारी राजधानी के आधिकारी का आदेश भी मानने को तैयार नहीं है. इस संबंध में विवेक कुमार पोरवाल, आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन, भोपाल ने 12 अप्रैल 2024 को कलेक्टर को पत्र लिखकर आदेशित किए थे कि शराब दुकानों को अनिवार्य रूप से एफएसएसएआई का लाइसेंस लेना है, लिहाजा उचित कार्रवाई करें. इस आदेश को सालभर गुजर चुके हैं. नया वित्तीय वर्ष चालू हो चुका है. लेकिन आज तक कटनी जिले में लागू नहीं कराया जा सका है.

नर्सिंग फर्जीवाड़ा- आईएनसी भी जांच घेरे में

हाईकोर्ट के आदेश- मान्यता संबंधी फाइलें पेश करे, मेडिकल यूनिवर्सिटी-एमपी नर्सिंग काउंसिल की फाइलें हो चुकी है तलब

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में शुक्रवार को फिर से नर्सिंग फर्जीवाड़ा मान्यता संबंधित मामले में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट स्पेशल बेंच के जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता की ओर से सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि एमपी नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल यूनिवर्सिटी के साथ साथ इंडियन नर्सिंग काउंसिल के द्वारा भी निरीक्षण कर अपात्र कॉलेजों को पात्र बताते हुए सुटेबिलिटी दी गई थी, इसलिए आईएनसी के अधिकारियों द्वारा झूठी निरीक्षण रिपोर्ट देकर अपात्र कॉलेजों को मान्यता देने में सहयोग किया है। हाईकोर्ट ने तर्कों को सुनने के बाद आईएनसी को आदेश दिया है कि सत्र 2018 से 2022 तक की मान्यता की फाइलें अगली सुनवाई में पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई अब 8 अप्रैल को होगी। इससे पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अपात्र नर्सिंग कॉलेजों के करीब 10 हजार स्टूडेंट्स को 30 दिन के भीतर पात्र कॉलेजों में ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीवाड़ा मामले की सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में छात्र नहीं मिले हैं, वो छात्र अपात्र होंगे और उन्हें परीक्षा में नहीं बैठाया जाएगा। हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता संबंधी ओरिजिनल फाइलों को याचिकाकर्ता द्वारा अवलोकन के बाद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए हैं। इसमें तुलनात्मक रूप से यह बताना होगा कि जो 300 कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए उन्हें आखिर किन हालात और किन-किन कमियों के होते हुए भी निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई।

अवैध प्लाटिंग करने वाले आलोक गोयंका पर केस दर्ज

कैमोर के ग्राम देवरी मझगवां पंचायत क्षेत्र में बनाई कॉलोनी, कलेक्टर के निर्देश के बाद दर्ज हुआ प्रकरण

कटनी। बिना किसी वैध अनुमति के प्लाट काटकर कॉलोनी बसाने वाले अवैध कॉलोनाइजरों की तो जिले में बाढ़ सी आ चुकी है। जमीन के इस काले कारोबार में साठगांठ करके पूरे कर रहे हैं। केवल कटनी शहरी क्षेत्र की बात करें तो यहां पर दर्जनों की संख्या में अवैध प्लाटिंग मौजूद है, जिनके खिलाफ अब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा सका। शहर तो छोड़िए अवैध प्लाटिंग का कारोबार अब गांव-गांव पहुंच चुका है। कुछ इसी तरह का मामला कैमोर में भी देखने को मिल रहा है। कैमोर पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी मझगवां पंचायत के अंतर्गत दद्दा कॉलोनी मतदान केंद्र क्रमांक 67 में अवैध प्लाटिंग करने वाले कटनी स्टेशन रोड निवासी आलोक गोयनका के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कैमोर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी मझगवां पंचायत में अवैध प्लाटिंग की जानकारी लगने के बाद कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने विजयराघौगढ़ एसडीएम को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग पाए जाने पर गत दिवस पटवारी अभिषेक जैन की शिकायत पर कैमोर पुलिस ने कटनी स्टेशन रोड निवासी आलोक गोयंका पिता शंकर प्रसाद गोयनका के खिलाफ मध्य प्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61 घ (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

पहले भी दर्ज हुआ था प्रकरण– आपको यह भी बता दें कि ग्राम देवरी मझवा में अवैध कालोनी बसाने को लेकर कटनी निवासी आलोक को गोयनका के खिलाफ लगभग 1 वर्ष पूर्व अवैध प्लाटिंग करने का मामला पहले भी दर्ज हो चुका है। एक बार फिर बड़े रकबे में अवैध प्लाटिंग करने को लेकर अवैध कॉलोनाइजर के खिलाफ कार्यवाही की गई है। कलेक्टर द्वारा कार्यवाही कराई जाने के बाद अवैध कॉलोनाइजर में हड़कंप की स्थिति निर्मित है।

विहिप-बजरंग दल ने फिर घेरा रांझी थाना

» कार्यकर्ताओं पर एफआईआर से भड़के, कहा- हमने नहीं की मारपीट; आधे घंटे तक लगा रहा जाम

जबलपुर। 31 मार्च को रांझी थाना परिसर में ईसाई धर्मगुरु फादर डेविस के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर वीडियो के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की जांच के बीच अब शनिवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके चलते जबलपुर-डिंडोरी रोड पर करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा।

प्रदर्शनकारियों की कहना है कि पुलिस ने जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, वो बेगुनाह हैं। मारपीट करने वाले कौन हैं, उन्हें हम नहीं जानते। इसके बाद भी विहिप के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शनिवार शाम को सड़क पर हुए चक्काजाम के बाद रांझी सहित घमापुर और खमरिया थाने का स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की जा रही है। फादर डेविस के साथ रांझी थाना परिसर में हुई मारपीट के विरोध मे ईसाई समाज के लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। मांग की जा रही है कि जो भी इस मामले में दोषी है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय ने भी सभी को आश्वासन दिया है कि जांच जारी है। शनिवार को तीन दर्जन से अधिक हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रांझी थाना का घेराव करते हुए मांग की है कि पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसे तुरंत ही काटा जाए, इसके साथ ही उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए जिन्होंने कि 31 तारीख को थाना परिसर में महिला कार्यकर्ताओं के साथ छेड़खानी करते हुए अपशब्द कहे थे।

विश्व हिंदू परिषद की जिला संयोजक आरती शुक्ला ने कहा धर्मांतरण का बीते दिनों विहिप और बजरंग दल द्वारा जो विरोध किया गया था, उसके बदले की भावना के चलते हमारी ही एक महिला कार्यकर्ता सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई, जबकि हम लोग धर्मांतरण के पीड़ितों को लेकर कार्रवाई के लिए थाने आए थे। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ जो शिकायत दर्ज की है, उसे तुरंत वापस लिया जाए, जो कि गलत है। घटना वाले दिन हमारे साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौच की गई थी। विवाद कैसे बढ़ गया, मारपीट किसने की यह हमें नहीं पता।

जबलपुर के बरगी में झील महोत्सव आज से

जबलपुर। महाकौशल में पहली बार जबलपुर और मंडला जिले मिलकर झील महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। 5 अप्रैल से 20 अप्रैल तक चलने वाले इस झील महोत्सव में वो सब देखने मिलेगा, जो शायद इससे पहले आप ने बरगी डेम पर शायद नहीं देखा होगा। बरगी बांध के पहाड़ियों व द्वीपों से घिरे नर्मदा तट पर होने जा रहे झील महोत्सव में जल-थल और नभ पर साहसिक गतिविधियां आज से शुरू हो जाएंगी, जो कि अगले 15 दिनों तक चलेगी। इस दौरान रोजाना शाम को सुरों की सरिता भी बहेगी। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) और जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। बरगी बांध की अथाह जलराशि में जहां मोटर बोट और अन्य राइड का पर्यटक आनंद उठाएंगे, वहीं पानी के बाहर ग्राउंड एक्टिविटीज के अंतर्गत पैरामोटरिंग का रोमांच भी होगा।

पुलिस केस का डर दिखाकर महिला ठग ऐंठ लिए 4 लाख रुपए, तेंदूपत्ता बोनस का लाभ दिलाने के नाम पर रचा षड्यंत्र

उमरिया पान पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजो महिला ठग को जेल

कटनी। तेंदूपत्ता के बोनस का लाभ दिलाने का झांसा देते हुए नानी और उसकी नाबालिक नातिन का फार्म भरवाने के बाद पुलिस कैसे हो जाने का झूठा संयंत्र रचकर चार लाख रुपए की ठगी करने वाली एक महिला को उमरिया पान पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस मामले में महिला ने पुलिस का भय दिखाकर पीड़ित पक्ष से रुपए 8 लिए थे और चंपत हो गई थी। आवेदिका श्रीमति भागवती बाई पति स्व. श्री चैनू धोबी उम्र 60 वर्ष नि. ग्राम बनहरी ने 29 जनवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि ललिता बाई चौधरी पति भारत चौधरी नि. ग्राम बनेहरी द्वारा बीडी तेंदूपत्ता के बोनस का लाभ दिलाने हेतु फार्म भरने का कहकर मेरी नातिन रिंकी एवं मेरा फार्म भरवाई थी। बाद में यह कह कर की रिंकी की उम्र 18 वर्ष से कम होने के कारण फार्म भरने में पुलिस केस हो गया।

जिससे बचने की बात बताकर मेरे से 4 लाख रुपये लेकर फरार हो गई। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 32/25 धारा 420, 406 भादवि. का कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त अपराध के संबंध मे वरिष्ट अधिकारियों को अवगत कराया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत रजंन के दिशा निर्देशन, अति.पु.अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस स्लीमनाबाद प्रभात कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में टीम बनाकर अपराध में फरार आरोपिया ललिता बाई चौधरी पति भारत चौधरी नि. ग्राम बनेहरी की तलाश कर आज उसे गिरफ्तार कर मान. न्याया. पेश किया गया।

यहां विराजित हैं विजय के प्रतीक भगवान राघव विजयराघवगढ़ में भगवान राम के दिव्य दरबार

श्री राम जन्मोत्सव

ऐतिहासिक नगरी विजयराघवगढ़ में भगवान राघव राम जी के अलौकिक दिव्य दरबार आज भी मठों में जीवंत हैं। सन 1826 में भगवान राघव के उपासक राजा प्रयागदास जी ने अपनी रियासत विजयराघवगढ़ की स्थापना के पूर्व अपने आराध्य विजय के प्रतीक भगवान राघव राम जी के अनेक दिव्य मंदिरों का निर्माण कराया था। विजयराघवगढ़ शारदा मंदिर के पीछे श्री रामलीला मंदिर में सर्व प्रथम विजय राघव जू की अदभुद अष्टधातु की दिव्य प्रतिमा के साथ जानकी सीता जी की मूर्ति स्थापित कराई थी ।1857 की क्रांति में अंग्रेजों द्वारा विजयराघवगढ़ में आक्रमण करके विजय राघव जू के रामलीला मंदिर को खंडित कर दिया था। भगवान राघव जानकी की उपरोक्त मूर्तियां 150 वर्षों तक एक कच्चे मकान में तत्कालीन पुजारी श्री जगदीश दुबे उर्फ फुल्ला पंडित जी के देखरेख में रहीं।1985 में उपरोक्त राम जानकी की अष्टधातु की प्रतिमाएं अचानक चोरी चली गईं साथ ही अष्टधातु की सोना मिश्रित बेशकीमती मूर्तियों को जद्दोजहद के बाद पकड़ी गई थी।किंतु लगभग दो करोड़ रुपए कीमती अष्टधातु सोना मिश्रित सिंहासनो का पता आज तक नहीं लग पाया।

इन्हीं राम जानकी मंदिर का पुनरुद्धार तत्कालीन विधायक लाल राजेन्द्र सिंह बघेल ने एवरेस्ट कंपनी की मदद से 1985 में नदीपर मुख्य मार्ग में करवाया था ।

नदीपर श्री राम बाग अखाड़े में भी श्री

राम जी अलौकिक दिव्य दरबार है।जहां की पूजापाठ शारदा मंदिर के पुजारी श्री जगदीश त्रिपाठी जी के संरक्षण में होती है।

कटनी मार्ग पर भी नयनी बाग के पास गोरहा अखाड़े में श्री राम जानकी का अदभुद दरबार है। जहां एक प्राचीन गौशाला भी है।गौ शाला के नाम पर ही गोरहा ग्राम रखा गया था।

विजयराघवगढ़ छेत्र में भगवान राघव राम जी के अनेक मंदिर धार्मिक आस्था के लिए आज भी जीवंत हैं। जिन विजय के प्रतीक भगवान राघव के नाम पर विजयराघवगढ़ रियासत का नामकरण राजा प्रयागदास जी ने किया था वह रामलीला मंदिर आज खंडित अवशेष के रूप में लावारिश हो गया है,साथ ही वहां अवैध कब्जे हो गए हैं।प्रशासन व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि विजयराघवगढ़ की इस ऐतिहासिक विरासत को अतिक्रमण मुक्त करवाकर इसका पुनरुद्धार कराए।

भगवान विजय राघव जू के नाम पर स्थापित सीताराम बाग जहां वर्तमान में जनपद कार्यालय है,वह बाग लुप्त हो चुका है। एवम् अनेक आम्रकुंजो को भू माफियाओं द्वारा खत्म कर दिया गया है।

सरकार प्रशासन को चाहिए कि विजयराघवगढ़ ऐतिहासिक धरोहरों मंदिरों बागों के संरक्षण हेतु सर्वे कराए जाकर इन ऐतिहासिक धरोहरों मंदिरों की सुरक्षा की जवाबदारी सुनिश्चित कराए।

लोगों ने कटनी नदी को साफ करने के भागीरथी प्रयास में अपना श्रमदान दिया

अमृतम जलम अभियान में आज प्रशासनिक राजनीतिक एवम समाजसेवी लोगो ने कटनी नदी को साफ करने के भागीरथी प्रयास में अपना श्रमदान दिया।आज इस श्रमदान में कटनी विधायक संदीप जयसवाल जी,जिला पंचायत ceo, शिशिर गेमावत जी, कटनी ह्यस्त्रद्व पी.मिश्राश् जी ,महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनी वर्मा जी,जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष राजा जगवानी जी,प्रदेश कांग्रेस सचिव सुमन रजकजी,जिला महिला उपाध्यक्ष अदिता वर्माजी,समाजसेवी मनोज वर्मा जी, मंजूषा गौतमजी,गीता पाठकजी,मोनी लालवानी जी*पी के महारथी मोहन मेडिकल *पत्रकार वाल्मीकि पांडेयजी,शिव प्रताप जी तमाम साथी गण एवम पत्रिका की समस्त टीम उपस्थित थी,पत्रिका के इस भागीरथी प्रयास में आप सब भी सहयोग करे और अपने शहर और जलाशय को स्वच्छ बनाने में मदद करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698